राष्ट्रीय दैनिक

# बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।


घी में भूनकर नहीं इस तरह खाने ...

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शुक्रवार, 12 मई 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 141 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त


## भारत के आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए हर कदम का मुंहतोड़ जवाब देंगे: राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि 1998 में देश के परमाणु परीक्षण ने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत भले ही एक शांतिप्रिय देश है लेकिन वह आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए किसी भी कदम को बर्दाश्त नहीं करेगा। सिंह ने यहां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा नालंदा में शिक्षा केंद्र और सोमनाथ में सांस्कृतिक प्रतीक को तबाह किए जाने के बाद भारत ने इतिहास से सबक सीखा है। सिंह ने 1998 के पोकरण–द्वितीय परमाणु परीक्षण की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित समारोह में कहा, ''हमने इतिहास से सबक सीखे हैं और संकल्प लिया है कि हम इस तरह के इतिहास को दोहराने की अनुमति नहीं देंगे।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''भारत के परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को संदेश दिया है कि हम भले ही एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं, लेकिन हम नालंदा को फिर से जलता हुआ नहीं देखेंगे। हम सोमनाथ जैसे अपने सांस्कृतिक प्रतीक को फिर से बर्बाद किया जाना बर्दाश्त नहीं करेंगे।'' सिंह ने कहा, ''हम अपने आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए हर कदम का मुंहतोड़ जवाब देंगे।'' इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह और शीर्ष वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।

## जदयू के पूर्व अध्यक्ष आरसीपी सिंह भाजपा में हुए शामिल

### मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा पल्टीमार

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता आरसीपी सिंह गुरुवार को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। जदयू के पूर्व अध्यक्ष ने पिछले साल पार्टी छोड़ दी थी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बड़ी–बड़ी बातें कर रहे हैं। उन्हें जरा सोचना चाहिए कि देश कहां से कहां चला गया और बिहार कहां हैं। कभी नीतीश के सबसे करीबी रहे आरसीपी ने कहा कि उन्हें श्व्श शब्द से बड़ा प्यार है, सी से चेयर होता है इसलिए कुर्सी के मोह में सारा काम कर रहे हैं। आरसीपी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार को सब पीएम कहते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कहा कि मैंने भी उन्हें कहा कि आप पीएम थे, पीएम हैं और पीएम रहेंगे। पीएम मतलब पल्टीमार। उन्होंने कितनी बार विश्वासघात किया है। पिछले कई दिनों से आरसीपी के भाजपा में शामिल होने के कयास लग रहे थे। जदयू ने उनसे 2013 से 2022 तक पिछले नौ वर्षों में उनके परिवार के सदस्यों द्वारा अपने नाम दर्ज कराई गई सभी अचल संपत्तियों (भूमि के भूखंड) पर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा था। पार्टी द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर नोटिस भेजे जाने के बाद आरसीपी सिंह ने जदयू छोड़ दिया था। अपने इस्तीफे के बाद जदयू के पूर्व अध्यक्ष ने कहा था कि नीतीश कुमार अपने सात जन्मों में से किसी में भी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। उन्होंने जद–यू को ष्डूबता जहाजष बताते हुए कहा था। कभी सीएम के विश्वासपात्र रहे आरसीपी सिंह ने 6 जुलाई को केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जब पार्टी ने उन्हें राज्यसभा में लगातार तीसरे कार्यकाल से वंचित कर दिया था। नीतीश कुमार के साथ उनके रिश्ते तब खराब हो गए जब उन्होंने मुख्यमंत्री की सहमति के बिना मंत्री पद स्वीकार कर लिया – और भाजपा के साथ उनकी कथित निकटता हो गई। सिंह को पार्टी प्रमुख का पद छोड़ने के लिए भी कहा गया था।

## सुप्रीम कोर्ट के फैसले को केजरीवाल ने बताया ऐतिहासिक

### बोले: अब दिल्ली में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरनिंद केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान उन्होंने कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया। केजरीवाल ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश आया है वो दिल्ली की जनता के सहयोग का नतीजा है। अब हमें दिल्ली के लोगों को रिस्पॉन्सिव प्रशासन देना है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में दिल्ली में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होगा। केजरीवाल ने कहा कि जैसे ही हमारी सरकार बनी प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार से एक आदेश पारित कराया कि दिल्ली में काम करने वाले सभी अधिकारियों के ट्रांसफर और नौकरी से संबंधित सभी फैसले दिल्ली सरकार के पास नहीं रहेंगे। यानी अगर कोई रिश्वत ले रहा है तो हम उन्हें निलंबित भी नहीं कर सकते। इस आदेश का इस्तेमाल करके दिल्ली में कामों को जबरदस्ती रोका गया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कुछ दिनों में बहुत बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कुछ अधिकारी ऐसे हैं जिन्होंने पिछले डेढ़ साल में जनता के काम रोके, ऐसे कर्मचारियों को चिह्नित किया जाएगा और उन्हें अपने कर्मों का फल भुगतना पड़ेगा। अरविंद केजरीवाल ने इसे ''लोकतंत्र की जीत'' करार दिया। 'आप' ने इस फैसले का स्वागत करते हुए ट्वीट किया, ''सत्यमेव जयते। दिल्ली सरकार की उच्चतम न्यायालय में बड़ी जीत हुई। चुनी हुई सरकार के पास अधिकारियों के स्थानांतरण–पदस्थापन की शक्ति होगी। अधिकारी निर्वाचित सरकार के माध्यम से ही काम करेंगे।'' पार्टी ने कहा कि दिल्ली की जनता के काम रोकने के लिए केंद्र द्वारा भेजे गए उपराज्यपाल का अधिकारियों पर कोई नियंत्रण नहीं होगा। केजरीवाल ने ''दिल्ली के लोगों के साथ न्याय करने'' के लिए उच्चतम न्यायालय को ''हार्दिक धन्यवाद'' दिया और कहा कि इससे विकास की गति कई गुना बढ़ जाएगी। सेवाओं पर अधिकार के मुद्दे पर केंद्र बनाम दिल्ली सरकार के मामले की सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड की अगुवाई वाली संविधान पीठ ने कहा कि निर्वाचित सरकार का प्रशासन पर नियंत्रण जरूरी है। उसने न्यायाधीश अशोक भूषण के 2019 के फैसले से असहमति जतायी कि शहर की सरकार का सेवाओं के मामले पर कोई अधिकार नहीं है। गौरतलब है कि दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार की विधायी और शासकीय शक्तियों से जुड़े कानूनी मुद्दे की सुनवाई के लिए संविधान पीठ का गठन किया गया था।

## बसों का संचालन पूर्णतः जांच–पड़ताल के पश्चात ही हो : दयाशंकर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने परिवहन निगम की बसों में आग लगने एवं उनके दुर्घटनाग्रस्त होने को गम्भीरता से लिया है। उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बसों का संचालन पूर्णतः जांच–पड़ताल के पश्चात ही हो जिससे कि लोगों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि बस डिपो में कार्यरत मैकेनिकों से बस में लगे सभी उपकरणों की भलीभांति जांच की जाय और तय फिटनेस मानक पूर्ण करने पर ही बसों को ऑन रोड किया जाय। परिवहन मंत्री ने निर्देश दिये हैं कि बसों को कार्यशाला से बाहर करते समय आरएम, एसएम, एआरएम किसी एक की उपस्थिति होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बसों को तकनीकी रूप से ठीक एवं साफ–सुथरी करके ही मार्ग पर भेजा जाय, जिससे कि यात्रियों को एक सुखद, आरामदायक यात्रा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि गोरखपुर क्षेत्र में घटित घटना की पुनरावृत्ति न हो अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि आग लगने एवं दुर्घटना होने की घटनाओं की पुनरावृत्ति होने पर सम्बंधित अधिकारी, कर्मचारी की जवाबदेही तय करते हुए कड़ी कार्रवाई की जायेगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। ग्रीष्मकाल में शार्ट–सर्किट की घटनाएं ज्यादा होती हैं। कार्यशाला प्रबंधक इस सम्बंध में सभी आवश्यक कदम उठाते हुए ही बसों को डिपो से ऑन रोड भेजें साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिये हैं कि बस स्टेशनों पर यात्रियों के बैठने की व्यवस्था उत्तम हो।

## एकनाथ शिंदे में जरा भी नैतिकता होगी तो इस्तीफा देना चाहिए, एससी के फैसले के बाद बोले उद्धव- नाम और निशान किसी को नहीं दूंगा

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि वो उद्धव ठाकरे सरकार की बहाली का आदेश नहीं दे सकता क्योंकि उन्होंने फ्लोर टेस्ट का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया था, हालांकि फ्लोर टेस्ट के लिए राज्यपाल का फैसला गलत था और एकनाथ शिंदे समूह का व्हिप नियुक्त करने में स्पीकर गलत थे। अब उद्धव ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा कि तत्कालीन महाराष्ट्र के राज्यपाल बीएस कोश्यारी का फ्लोर टेस्ट का फैसला गलत था और कोर्ट उनकी सरकार को बहाल नहीं कर सकता क्योंकि उन्होंने इस्तीफा दे दिया था और फ्लोर टेस्ट का सामना नहीं किया था। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर इस मुख्यमंत्री(शिंदे) और उपमुख्यमंत्री(देवेंद्र फडणवीस) में जरा भी नैतिकता होगी तो इस्तीफा देना चाहिए जैसे मैंने इस्तीफा दिया था। इस देश में प्रजातंत्र की रक्षा करना हमारा काम है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर मैं इस्तीफा नहीं देता तो शायद मैं फिर मुख्यमंत्री बन जाता। मैं मेरे लिए नहीं लड़ रहा, मेरी लड़ाई जनता के लिए, देश के लिए है। राजनीति में मतभेद होते रहते हैं लेकिन हमारा एक मत यह है कि इस देश को बचाना है। चुनाव आयोग ने घटना के बाहर जाकर निर्णय लिया है और हम अपनी पार्टी का नाम और चिन्ह किसी को नहीं लेने देंगे। उद्धव ने कहा कि कल को मैंने चुनाव आयुक्त का भी नाम बदल दिया तो क्या होगा। क्या ये मेरा अधिकार है।

## मालगाड़ी से टकराने के बाद पटरी से उतरी लोकल ट्रेन, कोई हताहत नहीं

बर्धमान। पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले में सैकड़ों यात्री उस समय बाल बाल बच गए जब एक लोकल ट्रेन मालगाड़ी से टक्कर के बाद पटरी से उतर गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना बुधवार रात करीब नौ बजकर 16 मिनट पर पूर्वी रेलवे की हावड़ा–बर्धमान लाइन पर शक्तिगढ़ स्टेशन के पास हुई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण इस रेल मार्ग पर सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन संख्या 3778 डाउन बर्धमान–बंडेल लोकल ट्रेन, पटरी बदलते समय मालगाड़ी वाली पटरी पर चली गई, जिससे यह दुर्घटना हुई। पूर्वी रेलवे के प्रवक्ता कौशिक मित्रा ने बताया कि घटना के दौरान ट्रेन शक्तिगढ़ रेलवे स्टेशन में प्रवेश कर रही थी और उसकी गति धीमी होने की वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में लोकल ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए जिन्हें हटाया जा रहा है। ट्रेन में मौजूद एक यात्री शुभंकर हलदर ने बताया, रेलगाड़ी, अचानक तेज आवाज और झटके के बाद शक्तिगढ़ स्टेशन में प्रवेश करने से पहले रुक गई। यात्री ट्रेन से जल्दी–जल्दी बाहर निकलने लगे, जिससे अफरा–तफरी मच गई। ट्रेन के पहले डिब्बे में कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं।

## सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के अनुसार शिंदे समेत 16 बागी विधायक अयोग्यः राउत

मुंबई। उच्चतम न्यायालय द्वारा महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर फैसला सुनाये जाने के कुछ ही देर बाद शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अगर शीर्ष अदालत ने पाया है कि शिवसेना के उद्धव ठाकरे नीत खेमे के सुनील प्रभु आधिकारिक सचेतक थे तो इस टिप्पणी के हिसाब से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 16 बागी विधायक अयोग्य साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि जब सरकार बनाने की प्रक्रिया ही अवैध थी तो शिंदे सरकार अवैध हुई। राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा, ''न्यायालय की टिप्पणियों के अनुसार सुनील प्रभु शिवसेना के आधिकारिक सचेतक थे इसलिए बागी विधायक अयोग्य साबित हो जाते हैं।'' उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल 30 जून को महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए राज्यपाल द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को बुलाना सही नहीं था। हालांकि न्यायालय ने पूर्व की स्थिति बहाल करने से इनकार करते हुए कहा कि ठाकरे ने शक्ति परीक्षण से पहले ही इस्तीफा दे दिया था।

## नीतीश कुमार ने शरद पवार से की मुलाकात, मिलकर काम करने पर बनी सहमति, पीएम फेस पर दोनों नेताओं ने कही यह बात

मुंबई। पिछले कई दिनों से विपक्षी एकता की कवायद में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री आज महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। महाराष्ट्र में उन्होंने एमसीपी सुप्रीमो और देश के वरिष्ठ नेताओं में से एक शरद पवार से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने मिलकर काम करने पर सहमति बनी है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात के बाद बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि देश में बीजेपी जो कर रही है वो देश के हित में नहीं है इसलिए हम चाहते हैं कि सभी विपक्षी दल एक साथ हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने आज बातचीत की और सभी दलों से भी बातचीत हुई है, सबकी सहमति हो रही है। हम सब एक साथ बैठकर निर्णय लेंगे। आज बहुत अच्छी चर्चा हुई और अब देश के हित में सब कुछ होने जा रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या शरद पवार विपक्षी गठबंधन का मुख्य चेहरा होंगे, बिहार के सीएम नीतीश कुमार कहा कि इससे ज्यादा सुखद कुछ नहीं होगा ... मैंने उनसे कहा है कि उन्हें न केवल अपनी पार्टी बल्कि उन्हें संपूर्ण देश को मजबूत करने के लिए काम करना है। शरद पवार ने कहा कि मिलकर काम करना होगा, चेहरे पर फैसला बाद में होगा। पवार ने कहा कि आज हमारी अच्छी मुलाकात हुई है। देश का आज जो माहौल है वो सब देखने के बाद देश की प्रजातंत्र को बचाने के लिए हमें मिलकर काम करने की आवश्यकता है और हम इसका समर्थन करते हैं। शरद पवार ने यह भी कहा कि देश के हालात को देखते हुए लोकतंत्र को बचाने के लिए मिलकर काम करना जरूरी है. ऐसा लगता है कि अगर हम मिलकर काम करेंगे तो देश को जिस विकल्प की जरूरत है, उसके लिए समर्थन मिलेगा। कल कर्नाटक में चुनाव था। मेरी जानकारी के अनुसार, वहां के लोग बीजेपी को हटा देंगे और एक धर्मनिरपेक्ष सरकार चुनेंगे। इससे पहले नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि अगर अधिक से अधिक विपक्षी दल एक साथ काम करते हैं और एकजुट होते हैं तो अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ मुकाबले में अच्छे परिणाम आएंगे।

# पुलिस उप महानिरीक्षक देवी पाटन ने श्रावस्ती का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा।पुलिस उप महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र गोण्डा द्वारा जनपद श्रावस्ती का भ्रमण कर पुलिस कार्यालय सभागार में अधिध्कर्मचारीगणों की गयी गोष्ठी पुलिस कार्यालय, पुलिस लाइन व थाना सिरसिया का किया गया औचक निरीक्षण। पुलिस उप महानिरीक्षक अमरेन्द्र प्रताप सिंह देवीपाटन परिक्षेत्र गोण्डा के आगमन पर कैम्प कार्यालय में सम्मान गार्ड द्वारा सलामी दी गई तत्पश्चात् उपमहानिरीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय सभागार में अधि0ध्कर्मचारी गण की गोष्ठी की गयी।गोष्ठी के दौरान जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था हेतु गोष्ठी की गयी, जिसमें महोदय द्वारा सर्वप्रथम सभी भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर आपरेशन त्रिनेत्र के तहत सीसीटीवी कैमरे लगवानें व नियमित रूप से चेकिंग हेतु निर्देशित किया गया तथा आपरेशन सुदर्शन के तहत नशा मुक्त अभियान चलानें ,आपरेशन क्लीन के तहत अवैध वाहनों की नीलामी करनें ,अवैध कच्ची शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण लगाने, चोरी व लूट की घटनाओं की रोकथाम हेतु रात्रि गश्त व क्षेत्र भ्रमण करने, लंबित जनशिकायत एवं आई0जी0आर0एस0 प्रार्थना पत्रों की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने हेतु कड़े निर्देश दिए गये साम्प्रदायिक भावना भड़काने वालोंध्असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने व छोटी से छोटी बातों का संज्ञान लेने, सोशल मीडिया पर निगरानी रखने के साथ–साथ डिजिटल वालेंटियर ग्रुप को अपडेट कर उनके साथ नियमित गोष्ठी कर उनका सहयोग लेने का निर्देश दिया गया। लंबित विवेचनाओं, विशेषकर अनावरित अभियोगो के निस्तारण, वांछित अभियुक्तों, इनामिया, जिलाबदर, एन0बी0डब्ल्यू0 के विरूद्ध अभियान चलाकर गिरफ्तारी करने व शातिर अपराधियों के विरुद्ध गुण्डा, गैगेस्टर आदि की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

## मतगणना को सकुशल,निष्पक्ष, संपन्न कराने के लिये डीएम की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोड़ा। 13 मई को होने वाले नगर निकाय निर्वाचन मतगणना को निष्पक्ष, सकुशल, शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु तैयारियों के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारीध्डीएम डॉ महेंद्र कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समस्त एसडीएम,आरओ अध्यक्ष व सभासद उपस्थित रहे।बैठक में प्रभारी अधिकारी कार्मिक मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि 12 घंटे पूर्व मतगणन कार्मिकों का दूसरा रेंडमाइजेशन कराया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा मतगणना स्थल पर बैरिकेडिंग, एंट्री प्वाइंट, एग्जिट प्वाइंट, मीडिया सेंटर, इंटरनेट, प्रिंटर, कंप्यूटर आदि के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना कार्मिकों के लिए नाश्ता पानी आदि की व्यवस्था,काउंटिंग एजेंट के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कोई भी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति मतगणना एजेंट ना रहे। मतगणना के दौरान प्रत्येक काउंटिंग टेबल की वीडियोग्राफी कराए जाने का निर्देश दिया।इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रदीप कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव, जिला विकास अधिकारी गिरीश चंद पाठक, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत एवं नगरी निकाय व अन्य संबंधित अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## अपर जिलाधिकारी ने किया बाढ़ निरोधक कार्यों का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश'

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोण्डा। गुरुवार को अपर जिलाधिकारी प्रदीप कुमार द्वारा तहसील बलरामपुर सदर में ग्राम घोसियार,खमभरिया, रेवारी में भारत विरोधी कार्यो का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बोल्डर स्टोन, जियो पिचिंग आदि कार्य का जायजा लिया। ग्राम रेवारी में कार की गुणवत्ता सही ना पाए जाने पर संबंधित जेई को फटकार लगाई एवं मौके पर ही मौजूद रहकर कार्य का निरीक्षण करते रहने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने ग्राम वासियों से भी वार्ता की एवं कार्य के बारे में उनसे फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्य बाढ़ से पहले पूर्ण कर लिए जाएं।

## मसकनवा बभनान मार्ग पर सवारियों से भरी बस व ट्रक में भीषण एक्सीडेंट, पलटा ट्रक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गौरा चौकी,गोण्डा। छपिया थाना में सवारियों से भरी बस व

ट्रक के आमने सामने टक्कर में ट्रक सड़क किनारे पलट गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को स्थानीय चिकित्सालय में उपचार कराया।मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार तड़के छपिया थाना क्षेत्र के मसकनवा बभनान मार्ग पर सवारियों को लेकर बभनान के तरफ से आ रही बस व मसकनवा के तरफ से सीमेंट लाद कर जा रहे ट्रक का करमा गांव के पास आमने सामने टक्कर हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सीमेंट से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। दुघटना में बस ड्राइवर प्रदीप कुमार व ट्रक ड्राइवर जयप्रकाश तिवारी घायल हो गए, इस दौरान ट्रक के नीचे एक व्यक्ति दब गया। जिसको स्थानीय लोगों व छपिया पुलिस की मदद से निकलवा कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपिया भेजा गया। दुर्घटना में बस के सवारियों को हल्की चोटें आई जिनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपिया में इलाज कराया गया। गनीमत यह रहा कि बस में सवार यात्री सुरक्षित है।

## शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने किया मतदान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। नगर निकाय चुनाव मतदान बुध्वार को शांति पूर्वक संपन्न हुआ मथुरा नगर वार्ड नंबर 10 में पोलिंग

बूथ पर शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने पहुंचकर अपना मतदान किया और लोगो से मतदान करने की अपील की कहा की लोग ज्यादा से ज्यादा पहुंचकर पोलिंग बूथ पर अपना मतदान करे लोगो को अपने मतदान का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। इस दौरान रामेश्वर पांडेय,श्रीधर पाण्डेय आदि लोग रहे मौजूद।

## बीरबल साहनी विज्ञान क्लब सोनबरसा के बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

### सोनबरसा के बच्चों ने आपदा प्रबंधन संबंधी जागरूकता रैली निकाल लोगों को किया किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। गुरुवार को शिक्षा क्षेत्र

मनकापुर के कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सरा आज्ञाराम में स्थापित बीरबल साहनी विज्ञान क्लब (विपनेट भारत सरकार) के तत्वाधान में आपदा प्रबंधन संबंधी जागरूकता रैली निकाल लोगों को समय–समय पर होने वाली आपदाओं से बचाव हेतु उपाय बताए। बच्चे हाथों में झंडा, बैनर लिए स्लोगन बोल रहे थे। जिसमें हारेगी गर्मी जीतेगा उत्तर प्रदेश, जानकारी ही बचाव है, आपदाएं आने का वक्त नहीं होता, जो करले आपदाओं से बचने का प्रबंध उसे नुकसान नहीं होता, बाढ़ भूकंप आदि से होती है हानि आपदा के समय अपने पास रखें पानी। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं प्राकृतिक आपदाओं को दूर भगाएं आदि नारे लगा रहे थे। शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया ने आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी, पम्पलेट व हेल्पलाइन नंबर को लोगों में साझा किया। इस अवसर पर शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया, राम अनुज, शताब्दी वर्मा, अमर ज्योति शर्मा, देवेंद्र प्रताप, चित्रावती मौर्य, पूनम यादव, अनुराधा मिश्रा के साथ ही अभिभावक रवीन्द्र कुमार,छोटका, सरोज,संवारी आदि उपस्थित रहे।

## रिक्शा चल रहा है कि हाथी सोशल मीडिया पर जमकर हुआ वायरल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जनपद में चल रहे नगर निकाय चुनाव में इस बार जहां बसपा की बढ़त देखी गई तो वहीं निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी सबको आश्चर्य में डालते हुए सोशल मीडिया पर अपना पकड़ बनाए रखा सुबह 6.00 बजे से ही प्रारंभ हुए मतदान के बाद लगातार सोशल मीडिया पर कहीं रिक्शा को दौड़ाते हुए लोग नजर आए तो कहीं हाथी को मस्त चाल में चलते हुए दिखाया। इस उत्साह को देखकर खासकर नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में लड़ाई त्रिकोणिय साबित होती नजर आ रही है ध्यान से देखा जाए तो सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा प्रत्याशी को ही होता नजर आ रहा है लेकिन कितनी सच्चाई है यह तो मतगणना के बाद ही नजर आएगी।

## पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने पुलिस कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। गुरूवार को पुलिस अधीक्षक गोण्डा आकाश तोमर ने पुलिस कार्यालय के अपराध शाखा, आयोग सेल, प्रधान लिपिक,

अंकिक शाखा, साइबर सेल, विधिक शाखा, मॉनिटरिंग सेल, महिला सहायता प्रकोष्ठ, सम्मन सेल, अँगुष्ठ छाप व अभियोजन कार्यालय का औचक निरीक्षण कर अभिलेखों के बेहतर रखरखाव, फर्नीचर व भवनों की मरम्मत एवं साफ–सफाई हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए साथ ही पुलिस अधीक्षक ने महिला सहायता प्रकोष्ठ में महिला संबंधी अपराधों में पीड़िताओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता को जल्द से जल्द उपलब्ध कराने तथा मिलने वाली वित्तीय सहायता धनराशि की सूची फ्लेक्स बोर्ड पर चस्पा करने के निर्देश दिए, डीसीआरबी शाखा प्रभारी को अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही कराने, विशेष किशोर पुलिस इकाई शाखा प्रभारी को लैंगिक अपराधों से पीड़ित बालको के प्रकरणों की लगातार मॉनिटरिंग करने एवं प्राथमिकता पर मामलों के निस्तारण कराने, ।भ्ज्न् शाखा प्रभारी को बाल श्रम के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस मौके पर पुलिस कार्यालय के समस्त अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## पीठासीन अधिकारी सुरेंद्र कुमार की जान एम्बुलेंस ड्राईवर की बहादुरी से बची

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नौगढ़ सत्कार होटल के बगल मे प्राथमिक विद्यालय मे नगर निकाय चुनाव का वोटिंग करवाते समय पीठासीन अधिकारी सुरेंद्र कुमार (42) के मुँह से अचनाक ब्लड आने लगा 108 पर सूचना मिलते ही यूपी32ईजी4157 एम्बुलेंस तुरंत पहुची और उनको सुरक्षित सिद्धर्थनगर जिला अस्पताल मे भर्ती करवाया गया उनके साथ आये लोगो के द्वारा एम्बुलेंस सुविधा को बहुत ही सराहना किये।

## यही रात अंतिम यही रात भारी,मत पेटिका की सुरक्षा में ड़टे प्रत्याशी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नगर निगम

चुनाव में जहां शांति पूर्वक सारा चुनाव संपन्न हो गया वहीं लगातार 10 दिनों से मतदाताओं को रिझाने में लगे प्रत्याशियों ने शाम 6.00 बजे के बाद सांस ली तो वही मत पेटिका की सुरक्षा के लिए भी रात भर मतगणना स्थल पर प्रत्याशी डटे नजर आये है जिसमें मुख्य रुप से राजू सिंह, राकेश दत्त त्रिपाठी सुरक्षा में मुस्तैद दिखाई दिए, इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सत्ता जिसके साथ है वह कुछ भी कर सकता है हम आम जनता के द्वारा भेजे जा रहे हैं तो जनता के विश्वास को कायम रखने के लिए मत पेटिका की लगातार सुरक्षा की जाएगी जिससे कि कोई उलटफेर ना हो सके। इस दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्याम बिहारी जयसवाल की प्रतिनिधि के रूप में डॉ चंद्रेश उपाध्याय भी नजर आए तो वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष और वर्तमान में भाजपा प्रत्याशी गोविंद माधव भी डटे रहे।

## पिकप पलटने से एक व्यक्ति की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के भुअही घाट पर बृहस्पतिवार की सुबह बारात से लौट रहे पिकप एक पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल होकर जिला अस्पताल मे भर्ती है। मृतक उसका थानाक्षेत्र के सुगही निवासी जुगानी (42) हैं। यहीं का निवासी रमजान (40) गंभीर रुप से घायल है। जानकारी के अनुसार यह लोग एक बैंड पार्टी के सदस्य हैं, जो सुगही गांव से बारात के साथ खेसरहा थानाक्षेत्र के पेडारी में बाजा बजाने गए थे। सुबह यह लोग एक पिकप पर सवार होकर वापस लौट रहे थे, इसी बीच पिकप पलट गई जिसमें जुगानी और रमजान दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने पुलिस की मदद से इन दोनों को ईलाज हेतु सीएचसी पहुंचाया जहां डाक्टरों ने जुगानी को मृत घोषित कर दिया जबकि गंभीर घायल रमजान को मेडिकल कालेज भेज दिया। इस संबंध में एसओ दिनेश सरोज ने बताया कि शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है, घायल के ईलाज चल रहा है।

## नगर पालिका सिद्धार्थनगर में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ चुनाव,महिलाएं रही आगे

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नगर निकाय चुनाव में जहां लगातार शांति का

माहौल रहा तो वही सुबह 6.00 बजे से प्रारंभ हुए मतदान में लगातार भीड़ लाइन लगाए नजर आई। इस बार के चुनाव में जहां महिलाओं को मतदान के लिए उत्साहित देखा गया तो वही कड़क धूप में भी मतदान के लिए लाइन में खड़ी नजर आए इस दौरान मतदान की सुरक्षा में लगे पुलिस टीम भी मुस्तैदी से लगी रही । किसी को भी कोई समस्या नहीं होने पाई।

## महिलाओं के जज्बे को धूप भी नहीं रोक पाया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नगर निकाय चुनाव के दौरान जहां कई प्रकार के परिवर्तन देखने को मिले तो वही कड़क धूप में भी विस्तारित क्षेत्र की महिलाएं मतदान के लिए सबसे आगे खड़ी नजर आई जब उनसे मतदान के बारे में उसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह चुनाव हमारे विकास के लिए किया जा रहा है जिसमें हम अपने उम्मीदवार को चुनेंगे और उनसे अपने विकास के कार्यों को कराएंगे उनके जज्बे को देखकर फिर से कहने को मन बेताब हो जाता है कि पहले मतदान फिर जलपान।

## महिला महाविद्यालय में स्नातक में प्रवेश शुरू

रुद्रपुर। श्रीकृष्ण उपाध्याय महिला महाविद्यालय में स्नातक कला और विज्ञान वर्ग प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश 11 मई बृहस्पतिवार से प्रारंभ हो रहा है। साथ ही राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में बीए, एमए एवं योगा में प्रवेश शुरू हो गया है। यह जानकारी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला मिश्रा ने दी। उन्होंने कहा कि प्रवेश के इच्छुक छात्र कार्यालय से सुबह दस से शाम चार बजे के बीच संपर्क कर अपना नामांकन करा सकते हैं।

## पेंशनर्स के सुविधा के लिए बनाया गया पेंशनर्स हेल्प डेस्कः वरिष्ठ कोषाधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। वरिष्ठ कोषाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि शासन के निर्देश के अनुपालन में पेंशन भुगतान की प्रक्रिया को पारदर्शी अनुक्रियाशील तथा प्रभावी बनाने के लिए 01 मई, 2023 तक विभिन्न माध्यमों से यथा ई–मेल, व्यक्तिगत प्राप्त कराए गयेध्डाक के माध्यम से प्राप्त समस्त पेंशन सम्बन्धी प्रार्थना पत्रों को रजिस्टर पर ही सम्बन्धित पेंशन पटल सहायकों को मार्क करते हुये ससमय उसका निस्तारण किया जा रहा है। सूचना 15 मई, 2023 से निर्धारित प्रारूप पर अंकित की जायेगी।

उन्होंने कहा कि कोषागार कार्यालय में प्रवेश करते ही पेंशनर्स हेल्प डेस्क बना दी गयी है जिसमें पेंशन पटल सहायक से इतर कार्मिक को तैनात कर दिया गया है, जिससे पेंशनर किसी पटल सहायक से सम्पर्क न करके हेल्प डेस्क में अपनी किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त कर सकते है अथवा अपना प्रार्थना पत्र दे सकते है। कोषागार बलरामपुर में पेंशन पुरनीक्षणध् 80 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर अतिरिक्त पेंशनध्जीवन कालीन अवशेषध्अन्य अवशेषों के भुगतानों में कोई विलम्ब नहीं किया जाता है। पेंशन पत्रावलियों का रखरखाव तथा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन जीवित प्रमाण पत्र की प्रविष्ट भी समय से की जा रही है। पेंशनरों को अपनी समस्याधशिकायत ऑनलाइन दर्ज कराने हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

# पहले मतदान फिर जलपान के नारो के साथ किया मतदान

## सम्पादकीय

# माता पार्वती पिता शंकर के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं सनातनी

**राम कवन प्रभु पूछउ तोही। कहिअ बुझाइ कृपानिधि मोही।। अर्थात हे मुनिराज! वह भी राम ( नाम ) की महिमा है, क्योंकि शिव जी महाराज दया करके ( काशी में मरने वाले जीव को ) राम नाम का ही उपदेश करते हैं। इसी से उनको परम पद मिलता है। हे प्रभो! मैं आपसे पूछता हूं कि वे राम कौन हैं? हे कृपा निधान ! मुझे ...**

अखिल ब्रह्मांड को संचालित करने वाले देवाधिपति महादेव भगवान शंकर हैं। यह विश्वास है कि शिव के डमरू से ही वर्ण निकले जिनसे शब्दों की व्युत्पत्ति हुई। ऐसे भगवान शिव की आराधना में हिन्दू धर्म के उपासक सदैव समर्पित रहते हैं। हिन्दू धर्म विस्तारक और जन जन में रामत्व और शिवत्व को अंतर्भूत करने वाले गोस्वामी तुलसीदास राम और शिव में अभेद स्थापित करते हैं। कई बार पाठकों को आश्चर्य होता है कि गोस्वामी जी शिव के आराधक हैं भगवान श्री राम के साधक हैं। इतनी बार, बारंबार शिव उनके प्रेरणा स्रोत हैं। भवानी शंकर की आराधना से प्रारंभ करते हुए वे पुनः लिखते हैं कि मति अनुहारि सुबारि गुन गनि मन अंहवाई। सुमिरि भवानी संकरहि कह कबि कथा सुहाइ ।। अर्थात अपनी बुद्धि के अनुसार इस सुंदर जल के गुणों को विचार कर , उसमें अपने मन को स्नान कराकर और श्री भवानी शंकर को स्मरण करके कवि ( तुलसीदास) सुंदर कथा कहता है। इसलिए मैं बार बार इस बात को कहता हूं कि गोस्वामी तुलसीदास जी मध्यकाल के सर्वाधिक सचेत कवि हैं जो कि पूरी तैयारी के साथ कविता करने की प्रक्रिया में तल्लीन होते हैं। यह गहराई बिना भवानी शंकर की असीम कृपा के संभव भी नहीं है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी भले ही तुलसीदास को समन्वय की विराट चेष्टा कहते हैं किंतु सच्चाई यह है कि गोस्वामी जी समन्वय ही नहीं करते बल्कि साधना की सम्पूर्ण ऊर्जा का उत्स भगवान शंकर की आराधना में ही मानते हैं। शोध से परिपूर्ण यह निश्चित है कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने ही शिवालयों की स्थापना गांव गांव में कराई है। इसकी परंपरा का सूत्रपात किया। मध्यकालीन भारतीय जनता के प्रेरणा पुंज गोस्वामी तुलसीदास जी ही हैं। शिवलिंग की पूजा अर्चना और श्री हनुमान जी की मूर्तियों को गांव गांव में स्थापित कराने का संकल्प गोस्वामी जी ने लिया। श्री राम और माता सीता के मंदिरों की स्थापना का संकल्प भी महानायक तुलसीदास जी ने ही लिया इस तरह मध्यकालीन भारतीय चेतना और साधना में परम तत्व शिव, माता पार्वती, भगवान श्री राम, माता सीता और श्री हनुमान जी महाराज के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति का जैसा समावेश तुलसी की कविताओं में मिलता है, वह अन्यत्र नामुमकिन है। कभी कविता भक्ति बन जाती है और कभी भक्ति कविता के रूप में प्रवाहमान रहती है। तभी तो तुलसीदास जी लिखते हैं कि सोपि राम महिमा मुनिराया। सिव उपदेसु करत करि दाया।। राम कवन प्रभु पूछउ तोही। कहिअ बुझाइ कृपानिधि मोही।। अर्थात हे मुनिराज! वह भी राम ( नाम ) की महिमा है, क्योंकि शिव जी महाराज दया करके ( काशी में मरने वाले जीव को) राम नाम का ही उपदेश करते हैं। इसी से उनको परम पद मिलता है। हे प्रभो! मैं आपसे पूछता हूं कि वे राम कौन हैं? हे कृपा निधान ! मुझे समझाकर कहिए। तब उत्तर मिलता है कि एक राम अवधेस कुमारा। तिंह कर चरित बिदित संसारा।। अर्थात एक राम तो अवध नरेश दशरथ जी के कुमार हैं, उनका चरित्र सारा संसार जानता है। दरअसल गोस्वामी तुलसीदास जी के राम दशरथ सुत हैं। उनकी लीला को पूरा संसार जानता है। पूरी दुनिया में शिव तत्व और राम तत्व का संगुम्फन है।

**लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का सन्देश**

# और बदरंग हुआ चेहरा

पिछले साल तक वह प्रेस फ्रीडम के लिहाज से श्समस्याग्रस्त्य देशों की श्रेणी में था। अब उसे उन देशों के बीच रखा गया है, जिनकी स्थिति श्अत्यंत गंभीरत्य मानी गई है। इस रिपोर्ट में कही गई कुछ बातें ध्यान खींचती हैं। इस बार विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर जारी हुए प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत का चेहरा कुछ और बदरंग दिखा है। यह इंडेक्स पेरिस स्थित संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर जारी करती है। पिछले कई वर्षों से इस सूचकांक पर भारत का दर्जा गिरता गया है। पिछले साल इस सूची में 150वें नंबर पर था। इस बार वह 11 स्थान गिर कर 161वें नंबर पर पहुंच गया। इस इंडेक्स में भारत अब सबसे निचली श्रेणी में है। पिछले साल तक वह प्रेस फ्रीडम के लिहाज से श्समस्याग्रस्त्य देशों की श्रेणी में था। अब उसे उन देशों के बीच रखा गया है, जिनकी स्थिति श्अत्यंत गंभीरत्य मानी गई है। इस रिपोर्ट में कही गई कुछ बातें ध्यान खींचती हैं। मसलन, यह कि भारत में कुछ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के धनी–मानी मित्रों ने मीडिया पर कब्जा जमा लिया है। कहा गया है कि कभी भारतीय प्रेस को अपेक्षाकृत प्रगतिशील समझा जाता था, लेकिन हिंदू राष्ट्रवादी प्रधानमंत्री के सत्ता में आने के बाद स्थितियां बदल गईं। इसमें बीबीसी के दफ्तर पर मारे गए छापे का जिक्र है और उसका सीधा संबंध बीबीसी पर गुजरात दंगों के बारे में दिखाई गई डॉक्यूमेंटरी से बताया गया है। रिपोर्ट कहती है कि वैसे तो दुनिया भर में प्रेस की आजादी के लिए संकट पैदा हो रहा है। दुष्प्रचार, एकतरफा प्रचार और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ने पत्रकारिता के लिए खतरे पैदा कर दिए हैं। इन खतरों के बीच सच और झूठ, सही और गलत की पहचान मुश्किल हो गई है। मगर इन विश्वव्यापी प्रवृत्तियों के बीच कुछ देश ऐसे हैं, जहां हालात बेहद गंभीर रूप ले चुके हैं। ऐसे देशों में रूस, तुर्किये और ताजिकिस्तान के साथ–साथ भारत का भी जिक्र किया गया है। पिछले वर्षों के तजुर्बे के आधार पर यह तो साफ है कि मौजूदा भारत सरकार ऐसी रिपोर्टों की तनिक भी परवाह नहीं करती। उसके बाद ऐसी हर रिपोर्ट का तैयारशुदा जवाब है, जिसमें भारत का दर्जा गिरता दिखाया जाता है। मगर भारत की सत्ताधारी पार्टी ही और आज की सरकार ही भारत नहीं हैं। एक देश और लोकतांत्रिक समाज के तौर पर भारत के लिए यह रिपोर्ट पहले से जारी चिंताओं को और बढ़ा गई है।

# इश्तिहार जैसी राजनीति की कहानियां

**वसुंधरा राजे अब डैमेज कंट्रोल में जुट गई हैं, जबकि अशोक गहलोत ने अपनी छवि और सरकार को हुए नुकसान की भरपाई इस बयान से काफी हद तक कर ली है। भाजपा में अविश्वास का माहौल उनके बयान से बन गया है, वहीं सचिन पायलट के लिए भाजपा के रास्ते भी बंद हो गए हैं, क्योंकि उनका साथ देने पर भाजपा को नुकसान हो सकता है। सचिन पायलट के समर्थक विधायकों पर धन लेने का...**

इसमें थोड़ा फेरबदल कर अगर मोहब्बत की जगह राजनीति करने की गुस्ताखी की जाए, तो आज के माहौल में यह शेर बिल्कुल फिट बैठता है। मौजूदा दौर की सियासत में ऐसी ही कहानियां चल रही हैं। कहा कुछ जाता है और आशय कुछ और होता है। और जो असल मकसद होता है, वो कभी सीधे शब्दों में बयां ही नहीं किया जाता। शब्दों के इस खिलवाड़ से राजनैतिक बाजियां कैसे पलटी जाती हैं, इसके कुछ उदाहरण हाल ही में सामने आए हैं। महाराष्ट्र में राकांपा के मुखिया शरद पवार ने पहले इस्तीफा देने का ऐलान किया, जिससे उनके समर्थक भावुक होकर उनसे पद पर बने रहने की अपील करने लगे। राजनीति और दल में उनका क्या ओहदा है, राज्य को उनकी कितनी जरूरत है, इसकी व्याख्याएं की जाने लगीं। राकांपा की बैठकों का दौर चला और शरद पवार से इस्तीफा वापस लेने का आग्रह किया गया। और फिर शरद पवार ने अपने समर्थकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस्तीफा वापस ले लिया, अब वे फिर से राकांपा के प्रमुख हैं। श्री पवार के इस कदम से एक तरफ उनकी बेटी सुप्रिया सुले का दबदबा बढ़ गया, क्योंकि शरद पवार के बाद पार्टी की कमान उन्हें ही देने की संभावनाएं सबसे अधिक जतलाई जा रही थीं। और दूसरी तरह भतीजे अजीत पवार को यह सख्त संदेश दे दिया गया कि अगर वे पार्टी और पार्टी सुप्रीमो के खिलाफ जाएंगे, तो उनके राजनैतिक भविष्य के लिए सही नहीं होगा। राकांपा में कोई उन्हें स्वीकार नहीं करेगा और भाजपा में भी उन्हें सम्मानजनक स्थान नहीं मिलेगा। अगले चुनावों के पहले पार्टी की अंदरूनी खटपट को शरद पवार ने बड़ी चालाकी से शांत करा दिया। कुछ ऐसा ही खेल अब राजस्थान में हुआ है। बल्कि यहां तो अशोक गहलोत ने अपने खिलाफ उठ रहे बगावती सुरों को शांत करने के साथ विपक्षी दल भाजपा के लिए भी समस्या खड़ी कर दी। धौलपुर में एक जनसभा में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़ा दावा किया कि 2020 में जब तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपने समर्थक विधायकों के साथ बगावत की थी तो भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल और विधायक शोभरानी कुशवाह ने उनकी सरकार को बचा लिया। श्री गहलोत ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र शेखावत पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने बगावत करने वाले विधायकों को पैसे बांटे और सरकार गिराने का षड्यंत्र रचा। श्री गहलोत ने ये दावा भी किया कि उन्होंने बागी विधायकों को भाजपा को पैसे वापस करने के लिए कहा है और अगर वे इंतजाम नहीं कर सकते तो अशोक गहलोत खुद या एआईसीसी से कह कर पैसे वापस करने का प्रबंध करेंगे। देश के कई राज्यों में धन के लेन–देन पर सरकारें बनाई और गिराई गई हैं। लेकिन ये शायद पहला मौका है जब चुनिंदा व्यक्तियों के नाम लेकर उन पर सीधे इल्जाम लगाए जा रहे हों। अशोक गहलोत जैसे कद्दावर और अनुभवी नेता को पता है कि राजनीति में कब और कैसे कोई बात कहना चाहिए। जब वे जनसभा में यह रहस्योद्घाटन कर रहे थे, तो इसे निश्चित तौर पर जुबान का फिसलना नहीं कहा जा सकता। बल्कि श्री गहलोत ने इस बात को कहने के लिए सही समय का इंतजार किया। राजस्थान में अगले कुछ महीनों में चुनाव हैं और कांग्रेस इस बार इतिहास बदलते हुए अपनी सत्ता को कायम रखना चाहती है। लेकिन पार्टी के भीतर शक्ति के दो केंद्र बनने से कांग्रेस के लिए चुनौती बढ़ रही है। सचिन पायलट ने 2020 की बगावत के बाद उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दोनों पद गंवा दिए, लेकिन मुख्यमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा चुनाव पास आते ही फिर उछाल मारने लगी है। इसलिए वे एक बार अपने समर्थक विधायकों के साथ शक्ति प्रदर्शन करने लगे हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने वसुंधरा सरकार के भ्रष्टाचार की जांच के नाम पर एक दिन का अनशन कर फिर से बगावत के संकेत ही दिए थे। अशोक गहलोत ने वसुंधरा सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार के आरोप पर कोई जांच नहीं की और अब तो उन्होंने अपनी सरकार बचाने का श्रेय भी वसुंधरा राजे को दे दिया है। उन्होंने कहा कि जब मेरी सरकार गिराने की कोशिश हो रही थी, तब कैलाश मेघवाल और वसुंधरा राजे ने कहा कि हमारे यहां पैसे के बल पर, चुनी हुई सरकारों को गिराने की कभी परंपरा नहीं रही है। अशोक गहलोत के इस खुलासे से अब भाजपा के लिए मुसीबत खड़ी हो गई है। राजस्थान भाजपा में पहले ही सतीश पुनिया और वसुंधरा राजे के गुटों के बीच वर्चस्व की होड़ है। और अब पुनिया गुट, राजे गुट पर हावी हो सकता है। इधर वसुंधरा राजे की फिर से मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जाहिर है, लेकिन श्री गहलोत के बयान से पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और वफादारी पर सवाल खड़े हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने एक लिखित बयान में कहा कि चुनाव में हार से भयभीत होकर अशोक गहलोत झूठ बोल रहे हैं। वसुंधरा राजे अब डैमेज कंट्रोल में जुट गई हैं, जबकि अशोक गहलोत ने अपनी छवि और सरकार को हुए नुकसान की भरपाई इस बयान से काफी हद तक कर ली है। भाजपा में अविश्वास का माहौल उनके बयान से बन गया है, वहीं सचिन पायलट के लिए भाजपा के रास्ते भी बंद हो गए हैं, क्योंकि उनका साथ देने पर भाजपा को नुकसान हो सकता है। सचिन पायलट के समर्थक विधायकों पर धन लेने का आरोप भी गंभीर है, जिसके लिए अब एफआईआर दर्ज कराने की बात उठ रही है। अगर ऐसा कुछ हुआ तो इन विधायकों के राजनैतिक भविष्य पर संकट होगा। यानी अब गहलोत खेमे के खिलाफ जाने का दुस्साहस कोई नहीं करेगा।

**{ इसके साथ ही सरकार डंडा लेकर रखवाली करती है कि कोई दूसरा बिना पैसे दिए माल न बेच पाए। नकली शराब की बिक्री पर सख्ती है और ई–गवर्नेंस की मदद से चुस्ती बरती जा रही है। इन सबमें हर्ज नहीं है, बशर्ते ऐसी चुस्ती शासन के अन्य मामलों में भी दिखे और ऐसा ही रिजल्ट दूसरे मामलों में भी दिखे। सिर्फ शराब की बिक्री में दिन दूनी रात चौगुनी की बढ़त दिखे तो शर्म का विषय होना चाहिए... }**

# शराब के मामले का छुपा रुस्तम कौन

अरविन्द मोहन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा इस उपलब्धि को राजनैतिक रूप से भुनाने का प्रयास करेगी या नहीं, क्योंकि अभी हाल तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में शराब पीना एक सामाजिक बुराई के रूप में देखा जाता था। होली दिवाली पर भी बहुत कम ही लोग शराब पीते थे। और यह फौजियों तथा कुछ खास मुश्किल काम करने वालों के पीने भर की चीज मानी जाती थी। यह हिसाब लगाना मुश्किल है कि लोगों द्वारा दी जाने वाली शराब ज्यादा ज्वलनशील है या हमारी राजनीति में इसे लेकर उठाने वाले बवाल। पर यह कहने में कोई मुश्किल नहीं है कि अभी दस साल पहले तक इन दोनों मोर्चों पर शराब की श्प्रतिष्ठाश इतनी न थी। भांग, गाँजा, तंबाकू–हुक्का वगैरह का चलन तो था लेकिन ज्यादा न था और उन्हें लेकर बहुत हंगामा नहीं था। साधुओं को छोड़ दें तो आम लोगों में से जो कोई इनका सेवन करता था वह कुछ अपराध भाव से ही करता था। और आजादी की लड़ाई के साथ गांधी ने शराब और नशामुक्ति की मुहिम छेड़कर इस सवाल पर इसका सेवन करने वालों को और भी ज्यादा रक्षात्मक मुद्रा अपनाने को मजबूर कर दिया। और उसी प्रभाव में गुजरात और महाराष्ट्र के वर्धा जिले में शुरू से, और अन्य राज्यों में भी शराबबंदी होती रही है। 1977 की जनता सरकार ने तो इसे देश के स्तर पर लागू करने का असफल प्रयोग किया। शराब के नशे से पीड़ित परिवारों की औरतों के दबाव से अनेक राज्यों में शराबबंदी लागू हुई और फिर राजस्व के दबाव तथा नकली शराब के कहर के चलते शराबबंदी उठती भी रही है। बिहार में जरूर नीतीश कुमार ने बिना किसी आंदोलन के दबाव से अपनी सोच के अनुसार शराबबंदी की है और अब तक अड़े हुए हैं जबकि राजस्व और प्रशासन दोनों पर इसका दबाव बहुत साफ दिखता है। अब राजस्व का दबाव राज्यों पर इतना क्यों बढ़ा है और पहले क्यों कम था, यह एक बड़ा सवाल है। इससे भी ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि राज्य क्यों सिर्फ नशे के धंधे को ही राजस्व बढ़ाने का जरिया बनाते हैं। केंद्र के विभिन्न वेतन बोर्डों द्वारा कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन ने राज्यों पर काफी दबाव बनाया है, इस बुनियादी बात को नहीं भूलना चाहिए। और उससे भी ज्यादा साफ दिखने वाला नुकसान बार–बार नकली शराब पीने से होने वाले नुकसान का है। और इस मामले में अपनी जिद पर आड़े नीतीश कुमार बार बार विपक्ष, खासकर भाजपा के निशाने पर आते है। शुरू में उन्होंने नकली शराब पीने वालों को मुआवजा न देने के मामले में भी मजबूती दिखाई थी लेकिन अब नरम पड़े हैं। और जब नीतीश पर इस सवाल के चलते विपक्षी हमला होता है तो भाजपा विरोधी लोग गुजरात और हरियाणा जैसे भाजपा शासित राज्यों की ऐसी मानवीय त्रासदियों का मसला उठाते हैं। बिहार के बारे में यह भी जाहिर हुआ है कि राजस्व नुकसान के साथ प्रशासन, खासकर पुलिस प्रशासन बुरी तरह इसी मसले पर उलझा है। अदालतों में शराब से जुड़े मामले सबकी नाक में दम किए हुए हैं। भाजपा की तरफ से नीतीश सरकार पर जितना हमला होता है उससे ज्यादा अभी दिल्ली की आप सरकार पर हो रहा है। बिहार के शासन में भाजपा भी भागीदार रही है पर दिल्ली में आप ने उसे बार–बार पीटा है। सो उसके इस हमले में राजनीति का हिस्सा काफी बड़ा है। लेकिन भ्रष्टाचार मिटाने और सब कुछ प्रत्यक्ष दिखने वाले अंदाज में करने के वायदे के साथ आई आप की सरकार के कुकर्म भी कम नहीं हैं जिसने दिल्ली को शराब से पाट देने की कोई कोशिश नहीं छोड़ी। इसमें भ्रष्टाचार हुआ या नहीं यह कहना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन जितने पेंच भाजपा की तरफ लगाए जा रहे हैं उतने ही पेंच आप के भी दिखते हैं। और परदेदारी तो जबरदस्त है। दिल्ली में शराब की बिक्री और राजस्व के आंकड़े भी अस्वाभाविक श्प्रगतिश दिखाते हैं जो नई राजनीति का दावा करने वाली पार्टी के लिए शर्म का विषय होना चाहिए। और इस चक्कर में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री जब जेल जाने लगे तो आप की सारी कोशिश उन्हें आबकारी विभाग का मंत्री बताने की जगह शिक्षा विभाग का मंत्री बताने की हुई जिस मामले में राज्य सरकार का रिकार्ड थोड़ा बेहतर है। जो बात सबसे छुपी हुई है वह यह है कि देश में शराब की बिक्री और राजस्व की बढ़ोतरी के मामले में सबसे श्बढ़ियाश रिकार्ड उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का है। और शराब के व्यापारी योगी सरकार की नीतियों को सबसे उपयोगी, सरल और प्रभावी मानते हैं। उनकी यह इच्छा भी है कि अन्य राज्य सरकारें योगी सरकार की नीतियों का अनुसरण करें। और बात सिर्फ कहने सुनने की नहीं है। योगी सरकार को चार साल पहले शराब से मात्र 14000 करोड़ का राजस्व मिला करता था जो अभी 400000 करोड़ रुपए को पार कर गया है। देश के सबसे बड़े प्रदेश में अभी हाल तक शराब की पैठ काफी कम मानी जाती थी। राज्य में देश की कुल खपत का मात्र पांच फीसदी हिस्सा ही शराब खपत होती थी। अब चार साल में यह दस फीसदी पहुंच गई है अर्थात चार साल में 200 फीसदी की वृद्धि हुई है। सबसे ज्यादा वृद्ध बियर की खपत में हुई है जो 350 फीसदी से भी ज्यादा है। अगर शराब कंपनियों के हिसाब से देखें तो कई की बिक्री में चार सौ फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। कई ब्रांडों की बिक्री में उत्तर प्रदेश देश का नंबर एक प्रांत बन चुका है। अब यह कहना मुश्किल है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा इस उपलब्धि को राजनैतिक रूप से भुनाने का प्रयास करेगी या नहीं, क्योंकि अभी हाल तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में शराब पीना एक सामाजिक बुराई के रूप में देखा जाता था। होली दिवाली पर भी बहुत कम ही लोग शराब पीते थे। और यह फौजियों तथा कुछ खास मुश्किल काम करने वालों के पीने भर की चीज मानी जाती थी। भांग, तंबाकू और गांजा को वैसी बुराई नहीं माना जाता था। पर अब सरकार ने प्रदेश में शराब की बिक्री सबसे लिए आसान कर दी है। जिस कंपनी को इच्छा हों वह आए, एक मोटी रकम भरे और थोक बिक्री शुरू कर दे। इसके साथ ही सरकार डंडा लेकर रखवाली करती है कि कोई दूसरा बिना पैसे दिए माल न बेच पाए। नकली शराब की बिक्री पर सख्ती है और ई–गवर्नेंस की मदद से चुस्ती बरती जा रही है। इन सबमें हर्ज नहीं है, बशर्ते ऐसी चुस्ती शासन के अन्य मामलों में भी दिखे और ऐसा ही रिजल्ट दूसरे मामलों में भी दिखे। सिर्फ शराब की बिक्री में दिन दूनी रात चौगुनी की बढ़त दिखे तो शर्म का विषय होना चाहिए।

# आत्मविश्वास से भरे मुंबई इंडियन्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

मुंबई। आत्मविश्वास से भरी मुंबई इंडियन्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले में शुक्रवार को यहां जब अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे गत चौंपियन गुजरात टाइटंस के सामने होगी तो दोनों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। आईपीएल के मौजूदा सत्र में पहली बार मुंबई इंडियन्स की टीम प्रभावी नजर आ रही है और मंगलवार को यहां रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को छह विकेट से हराकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। मुंबई ने आरसीबी के 200 रन के लक्ष्य को 17 ओवर के भीतर ही हासिल कर लिया जो दर्शाता है कि टीम का बल्लेबाजी क्रम कितना मजबूत है।

टीम ने हालांकि नेट रन रेट में इजाफा करने के लिए लगातार दूसरे मैच में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया। टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और पिछली पांच पारियां में दोहरे अंक में भी पहुंचने में नाकाम रहे हैं लेकिन इसके बावजूद मुंबई के बल्लेबाजों ने वानखेड़े स्टेडियम में तीन प्रयास में दो बार 200 या इससे अधिक के लक्ष्य को हासिल किया। यहां तक कि पंजाब किंग्स के खिलाफ भी मुंबई ने 215 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 201 रन बनाए थे। मुंबई के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी चिंता रोहित की फॉर्म नहीं बल्कि टीम की गेंदबाजी है। टीम के खिलाफ लगातार चार मैच में 200 से अधिक रन बने जबकि आरसीबी की टीम भी 199 रन बनाने में सफल रही।

पिछले तीन मैच में विरोधी टीमों ने सपाट विकेट और बल्लेबाजी के अनुकूल हालात का फायदा उठाते हुए मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आठ विकेट पर 214, सात विकेट पर 212 और छह विकेट पर 199 रन बनाए और गुजरात टाइटंस की नजरें भी बड़े स्कोर पर टिकी होंगी। मुंबई की टीम ने आरसीबी के खिलाफ बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन गुजरात टाइटंस के पास आरसीबी के विपरीत निचले क्रम में फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार यादव की 35 गेंद में 83 रन की पारी और नेहल वढेरा के दूसरे अर्धशतक से मुंबई इंडियन्स ने आरसीबी के खिलाफ

आसान जीत दर्ज की लेकिन टीम को पता है कि वे शीर्ष पर चल रहे गजरात टाइटंस के खिलाफ कोई कोताही नहीं बरत सकते।

मुंबई के लिए सबसे सकारात्मक चीज है जबकि इशान किशन, कैमरन ग्रीन, टिम डेविड और तिलक वर्मा ने भी टीम के लिए उपयोगी पारियां खेली हैं। यह देखना होगा कि वर्मा शुक्रवार सूर्यकुमार की फॉर्म में वापसी को होने वाले मुकाबले के लिए फिट होते हैं या नहीं। मैच में काफी कुछ हालांकि इस पर भी निर्भर करेगा कि मुंबई के बल्लेबाज गुजरात के अफगानिस्तान के दो स्पिनरों राशिद खान और नूर अहमद के आठ ओवरों में कैसा प्रदर्शन करते हैं। गुजरात ने 11 में से आठ मुकाबले जीते हैं और प्ले ऑफ में जगह बनाने की दहलीज पर खड़ी है। कप्तान हार्दिक पंड्या और आशीष नेहरा इस साल भी खिलाड़ियों की सफलता के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने में सफल रहे हैं जिससे टीम लगातार दूसरे साल खिताब की मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है। गुजरात टाइटंस ने इस साल विरोधी के मैदान पर कोई मैच नहीं गंवाया है और उसे अब तक तीनों हार अहमदाबाद के अपने घरेलू मैदान पर मिली हैं। शुभमन गिल और रिद्धिमान साहा की गुजरात की सलामी जोड़ी अच्छी फॉर्म में है और बड़ा स्कोर खड़ा करने का मंच तैयार कर रही है। हार्दिक और डेविड मिलर ने भी बल्ले से प्रभावित किया है जबकि निचले क्रम में राहुल तेवतिया की मौजूदगी बल्लेबाजी को मजबूत करती है।

टीम इस प्रकार हैंः मुंबई इंडियंसः रोहित शर्मा (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, अरशद खान, जेसन बेहरेनडोर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन, डुआन जेनसन, क्रिस जोर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल , रिले मेरेडिथ, शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा और सूर्यकुमार यादव। गुजरात टाइटन्सरू हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साई सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नालकंडे, जयंत यादव, आर साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा। समयः मैच शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा।

# गोदरेज एंड बॉयस की इकाई को मिले 2,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर

नयी दिल्ली। गोदरेज एंड बॉयस की वाणिज्यिक इकाई गोदरेज इलेक्ट्रिकल्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स को बिजली पारेषण, रेलवे और सौर परियोजनाओं से कुल 2,000 करोड़ रुपये मूल्य के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि गोदरेज इलेक्ट्रिकल्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के बिजली ढांचा एवं नवीकरणीय ऊर्जा (पीआईआरई) कारोबार को बिजली पारेषण, रेलवे और सौर परियोजनाओं से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर मिले हैं। इनमें देशभर में 400 केवी और 765 केवी के ईएचवी उपकेंद्रों के लिए इंजीनियरिंग खरीद निर्माण (ईपीसी), मुंबई में 220केवी भूमिगत केबल के साथ एक जीआईएस उपकेंद्र और नेपाल में 132केवी उपकेंद्र की परियोजना शामिल है। सौर परियोजना खंड में कंपनी को पश्चिम बंगाल में 20 मेगावॉट क्षमता के जमीन पर स्थित सौर संयंत्र का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर अगले तीन वर्षों में

अपने सौर ईपीसी पोर्टफोलियो को सालाना 30 प्रतिशत तक बढ़ाने और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लक्ष्य के अनुरूप है। कंपनी कर्षण सबस्टेशनों और संबंधित कार्यों के निर्माण के लिए भारतीय रेलवे से 900 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना के साथ रेलवे विद्युतीकरण में भी कदम रख रही है। यह परियोजना रेलवे के आधुनिकीकरण और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने के भारत के नजरिये के अनुरूप है। गोदरेज इलेक्ट्रिकल्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और कारोबार प्रमुख राघवेंद्र मिरजी ने कहा, ''ये ऑर्डर बिजली पारेषण क्षेत्र को मजबूत करने और रेलवे एवं अंतरराष्ट्रीय खंड में प्रवेश करने की हमारी विविधीकरण रणनीति के साथ अच्छी तरह से मेल खाते हैं।

# फोगनीनी ने मरे को हराया, वावरिंका भी जीते

रोम। फाबियो फोगनीनी ने 35 साल के दो खिलाड़ियों के

बीच हुए मुकाबले में एंडी मरे को लगभग तीन घंटे में हराकर इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। पैर की चोट के कारण एक महीने तक बाहर रहने के बाद वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट में प्रवेश करने वाले फोगनीनी ने मरे को6–4, 4–6, 6–4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। फोगनीनी ने मरे के 24 के मुकाबले 49 विनर लगाए। एक अन्य अनुभवी खिलाड़ी स्टेन वावरिंका को इल्या इवाश्का को 6–2, 6–4 से हराने के लिए 90 मिनट के विलंब से शुरू हुआ। वावरिंका 38 साल के हैं और टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी हैं। एलेक्सांद्र बुबलिक, क्रिस्टियन गेरिन, मार्टन फुकसोविक्स और सबेस्टियन बेइज भी जीत दर्ज करने में सफल रहे। चीन के यू यिबिंग ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी रिचर्ड गास्केट को 3–6, 6–3, 6–3 से हराया। महिला वर्ग में लेसिया सुरेंको ने दो बार की चौंपियन यूक्रेन की हमवतन एलिना स्वितोलिना को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। स्लोएन स्टीफंस ने नादिया पोडोरोस्का को 6–4, 6–1 से शिकस्त दी और अगले दौर में उनकी भिड़ंत 14वीं वरीय विक्टोरिया अजारेंका से होगी।

## सूरजमुखी तेल के आयात पर 30 जून तक सीमा शुल्क, कृषि उपकर की छूट

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कुछ शर्तों के साथ कच्चे

सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के आयात पर 30 जून, 2023 तक मूल सीमा शुल्क और कृषि अवसंरचना और विकास उपकर (एआईडीसी) की छूट दे दी है। यह छूट सिर्फ उन उन आयातकों के लिए है जिनके पास वित्त वर्ष 2022–23 के लिए शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) है। टीआरक्यू के तहत बहुत कम शुल्क पर एक निश्चित मात्रा में आयात की अनुमति होती है। एक बार यह सीमा पूरी होने के बाद अतिरिक्त आयात के लिए ऊंचा शुल्क लागू होता है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) आयातकों को टीआरक्यू आवंटित करता है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना के जरिये वित्त वर्ष 2022–23 के लिए टीआरक्यू लाइसेंस धारकों को 30 जून, 2023 तक शून्य मूल सीमा शुल्क और शून्य एआईडीसी पर कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखती तेल के आयात की अनुमति दे दी है। मंत्रालय ने कहा, ''यह अधिसूचना 11 मई, 2023 को लागू होगी। इस अधिसूचना में निहित कुछ भी 30 जून, 2023 के बाद लागू नहीं होगा।

# इंटर मिलान ने सेमीफाइनल में एसी मिलान को हराया

मिलान। इंटर मिलान ने चौंपियन्स लीग सेमीफाइनल के

पहले चरण में बुधवार को यहां शहर की एक अन्य टीम एसी मिलान को 2–0 से हरा दिया। ईडिन डेको और हेनरिक मखितारयन ने तीन मिनट के भीतर दो गोल दागकर इंटर मिलान की जीत सुनिश्चित की। पहले हाफ में दबदबा बनाने वाले इंटर मिलान को गोल करने के और मौके भी मिले लेकिन टीम इनका फायदा नहीं उठा सकी। ये दोनों टीम इससे पूर्व 20 साल पहले चौंपियन्स लीग सेमीफाइनल में भिड़ीं थी और तब एसी मिलान ने विरोधी के मैदान पर अधिक गोल दागने के आधार पर जीत दर्ज की थी और फिर फाइनल में यूवेंटस को हराकर अपने सात खिताब में से छठा जीता था। वर्ष 2003 की उस टीम के कई सदस्य और दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच बुधवार को दर्शकों के बीच मौजूद थे। जोकोविच एसी मिलान के प्रशंसक हैं।

# जियो सिनेमा पर आईपीएल को 1300 करोड़ से अधिक बार देखा गया

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र के शुरुआती पांच हफ्तों में इस लुभावने टी20 टूर्नामेंट को इसके डिजिटल स्ट्रीमिंग साझेदार जियो सिनेमा की ऐप पर 1300 करोड़ से अधिक बार देखा गया है। जियो सिनेमा ऐप पर इस दौरान प्रति दर्शक औसत समय 60 मिनट तक पहुंच गया। जियो सिनेमा पर इस बीच पांच दिन में दो बार सर्वाधिक दर्शकों का आईपीएल रिकॉर्ड भी टूटा। चेन्नई सुपरकिंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच 12 अप्रैल को हुए मैच के दौरान एक ही समय में सर्वाधिक दो करोड़ 23 लाख लोग जियो सिनेमा ऐप पर इस मैच को देख रहे थे। इसके पांच दिन बार सुपरकिंग्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर के बीच मुकाबले के दौरान दर्शकों की संख्या पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए दो करोड़ 40 लाख दर्शकों के आंकड़े को छूने में सफल रही। वायकॉम 18 के सीईओ अनिल जयराज ने कहा, ''जियो सिनेमा हर गुजरते सप्ताह के साथ लगातार मजबूत हो रहा है और यह इसलिए संभव हो सका है क्योंकि दर्शकों ने टाटा आईपीएल 2023 को देखने के लिए डिजिटल मंच को अपनी पहली पसंद बना लिया है।

# कोर्ट परिसर से इमरान खान की गिरफ्तारी गैरकानूनी, सुप्रीम कोर्ट ने कहा– न्यायपालिका की प्रतिष्ठा का हुआ उल्लंघन

सुप्रीम कोर्ट (एससी) की तीन सदस्यीय पीठ ने अल–कादिर ट्रस्ट मामले में अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान की याचिका पर सुनवाई शुरू कर दी है। मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल, न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मजहर और न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह की तीन सदस्यीय पीठ सुनवाई की अध्यक्षता कर रही है। सुनवाई के दौरान इमरान की कानूनी टीम भी मौजूद है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इमरान खान की गिरफ्तारी गैरकानूनी है। कोर्ट ने कहा कि इमरान खान को गिरफ्तार करने से पहले एनएबी को हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार से परमिशन लेनी चाहिए थी। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस ने कहा कि इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट के परिसर से गिरफ्तार कर न्यायपालिका की प्रतिष्ठा का उल्लंघन किया गया है।

सुनवाई की शुरुआत में इमरान के वकीलों में से एक हामिद खान उपस्थित हुए और शीर्ष अदालत को सूचित किया कि उनके मुवक्किल आईएचसी में गिरफ्तारी से पहले जमानत लेने आए थे। सीजेपी बांदियाल ने तब पूछताछ की कि इमरान इस्लामाबाद हाई कोर्ट में किन मामलों में पेश हो रहे थे, इस पर वकील ने जवाब दिया कि जब पीटीआई प्रमुख को गिरफ्तार किया गया था तो वह अपने बायोमेट्रिक्स के लिए मौजूद थे। खान ने कहा कि रेंजरों ने इमरान खान के साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इस्लामाबाद की एक जवाबदेही अदालत ने अल–कादिर ट्रस्ट मामले में इमरान को आठ दिनों के लिए राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को सौंप दिया था। इसके बाद, उन्होंने अपनी गिरफ्तारी के लिए राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के अध्यक्ष द्वारा 1 मई को जारी किए गए वारंट को रद्द करने और इस्लामाबाद उच्च न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी को ग़ैरकानूनी घोषित करने के फैसले को चुनौती देने के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

# शाही जिंदगी जीने वाले इमरान खान अब जेल में बिना बिस्तर वाले गंदे कमरे में करवटें बदल रहे हैं

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जब धक्के मार कर, कॉलर और गर्दन पकड़ कर गिरफ्तार किया गया तो लोग हैरान हुए लेकिन अब जिस तरह से उनके समर्थकों के साथ पाकिस्तान में अमानवीय बर्ताव किया जा रहा है उसको देखते हुए किसी को हैरानी नहीं हो रही है। हालांकि लोग सोशल मीडिया पर पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रहे हैं लेकिन पाकिस्तान सरकार के रुख को देखते हुए लगता नहीं कि इमरान समर्थकों से किसी प्रकार की कोई नरमी बरती जायेगी। इस बीच, देखने को मिल रहा है कि इमरान खान के समर्थन में पाकिस्तान से लेकर विदेशों तक महिलाएं बड़ी संख्या में प्रदर्शन कर रही हैं। एक पाकिस्तानी महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है जिसमें वह फौजियों से कह रही हैं कि इमरान खान आपके बच्चों के लिए लड़ रहा है इसलिए उसे बचाओ और अपने अधिकारियों का फरमान मत मानो। वहीं दूसरी ओर महिलाएं सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर अपील कर रही हैं कि ज्यादा से ज्यादा पाकिस्तानी सड़कों पर उतरें। इसके अलावा विदेशों में भी पाकिस्तानी महिलाएं इमरान खान के समर्थन में वीडियो जारी कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर कनाडा से भी जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वह दर्शा रही हैं कि इमरान खान के समर्थन में लोगों ने बड़ा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा इस्लामाबाद में भी महिलाएं सड़कों पर उतरीं और शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं इमरान समर्थकों का कहना है कि हम उनके लिए जान दे भी सकते हैं और जान ले भी सकते हैं। इमरान समर्थकों का यह भी कहना है कि हम इस छद्म लोकतंत्र से आजिज आ चुके हैं और इस बार असली आजादी चाहते हैं। इस बीच, इमरान खान के वकील के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री को जेल में बिना बिस्तर के एक गंदे कमरे में पूरी रात जगा कर रखा गया। इमरान के वकील ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई प्रमुख इमरान खान के साथ जेल में जो व्यवहार किया जा रहा है वह अमानवीय है। इमरान खान ने भी बुधवार को अदालत में पेशी के दौरान कहा था कि पिछले 24 घंटों के दौरान, मैं शौचालय नहीं जा सका हूं। पूर्व प्रधानमंत्री ने अदालत से अनुरोध किया था कि उनके डॉक्टर फैसल सुल्तान को उनसे मिलने की अनुमति दी जाए। इमरान के वकील ने बताया है कि बिना बिस्तर के पूर्व प्रधानमंत्री को भारी तकलीफ का सामना करना पड़ा है। इमरान के वकील ने बताया कि वह ठीक से सो नहीं पा रहे हैं और करवटें बदलते हुए ही उनका वक्त बीत रहा है।

# व्हाइट हाउस में नयी भूमिका को लेकर काफी उत्साहित हूं : नीरा टंडन

वाशिंगटन। जल्द ही व्हाइट हाउस की घरेलू नीति सलाहकार का पद संभालने वाली भारतीय–अमेरिकी नीरा टंडन ने कहा कि वह प्रशासन में अपनी नयी भूमिका को लेकर ''उत्साहित'' हैं। सार्वजनिक नीति में विशेषज्ञता रखने वाली टंडन व्हाइट हाउस की घरेलू नीति सलाहकार के रूप में सुजैन राइस का स्थान लेंगी। टंडन (52) व्हाइट हाउस में इस प्रभावशाली पद पर नियुक्त होने वाली पहली एशियाई–अमेरिकी नागरिक हैं। वह अभी राष्ट्रपति जो बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार तथा स्टाफ सचिव हैं। टंडन ने एएपीआई विक्ट्री फंड' द्वारा आयोजित 'एएएनएचवीआई विमेंस सेलीब्रेशन' में अपने संबोधन में कहा, ''मैं व्हाइट हाउस में अपनी नयी भूमिका को लेकर बहुत उत्साहित हूं और मैं प्रशासन का हिस्सा बनकर काफी रोमांचित हूं जिसमें कई एएएनएचपीआई (एशियाई अमेरिकी, मूल हवाई और प्रशांत द्वीप वासी) नेता हैं, कई सारी एएएनएचपीआई महिला नेता हैं... कई सारे नेता हैं जो हमारे समुदाय की बड़ी विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं।'' टंडन ने ओबामा तथा क्लिंटन दोनों प्रशासनों में काम किया है। वह राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार तथा कई थिंक टैंक भी काम कर चुकी हैं।

## निशुल्क शिक्षा के लिए 22 मई तक करें आवेदन

देवरिया। श्रम विभाग में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के पढ़ने के लिए मंडल स्तर पर ग्राम–पिपरा, सहजनवां में अटल आवासीय विद्यालय संचालित है। इसमें नामांकन के लिए छात्रध्छात्राओं को हॉस्टल युक्त निशुल्क शिक्षा, खेलकूद, कंप्यूटर क्लास की सुविधाएं मिलेंगी। श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशि सिंह ने बताया ऐसे निर्माण श्रमिक जो 31 मार्च 2020 तक पंजीकृत हैं तथा उनके बच्चे जो वित्तीय वर्ष 2022–23 में कक्षा पांच उत्तीर्ण किये हों, कोविड महामारी के कारण अनाथ हो गए हों आवेदन पत्र किसी भी सामान्य कार्य दिवस में 22 मई तक श्रम विभाग विकास भवन परिसर देवरिया, कार्यालय बेसिक शिक्षा अधिकारी देवरिया, कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 22 मई है।

## स्टेट बैंक परिसर के पास बाइक चोरी

सलेमपुर। मईल थाना क्षेघ्त्र के दीघरा सोमाली गांव निवासी हरिश्चंद्र पुत्र राम प्रकाश भारती की बाइक स्टेट बैंक की शाखा के पास से चोरी हो गई। कोतवाली से मात्र 50 मीटर दूर स्थित शाखा के पास हरिश्चंद्र बाइक खड़ी कर बैंक में पैसा निकालने चले गए। वापस आने पर बाइक गायब थी। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बैंक का सीसीटीवी फुटेज देखी तो पता चला कि एक लाल शर्ट पहने युवक बाइक लेकर जा रहा है। उसका पूरा चेहरा कैमरे में कैद नहीं हुआ है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोर का पता कर रही है। कोतवाल गोपाल पांडेय ने बताया की एपफआईआर दर्ज की गई है।

## मारपीट के मामले में चार पर केस

कंचनपुर। बहन की विदाई कराने आए भाई व उसकी मां को ससुरालियों ने मारपीट कर घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दिए तहरीर में तरकुलवा थाना क्षेत्र की फरेंदा की रहने वाली शबाना खातून पत्नी खुर्शीद ने बताया है कि मुझे विदा कराने के लिए मेरे भाई व मेरी मां ससुराल में आई थी। ससुराल वालों ने विदा करने से मना कर दिया तथा भद्दी–भद्दी गाली देते हुए उन्हें मारने पीटने लगे। लाठी डंडे लेकर वह उन्हें लौड़ा डालिए और जान से मारने की धमकी देने लगे। इस मामले में पुलिस ने अलाउद्दीन, अख्तर, हजारा खातून, गुड़िया खातून के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है।

## डीएम के आदेश के एक वर्ष बाद भी नहीं हटा अवैध कब्जा

देवरिया । क्षेत्र के लंगड़ा बाजार गांव निवासी रंगनाथ पांडेय के दरवाजे पर कुछ मनबढ़ों ने लोहे की चादर लगाकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है। उनके डर से उनका परिवार करीब छह वर्ष से घर छोड़कर भलुअनी में रह रहा है। मामले में 25 जून 2022 को डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने जांच कर समस्या का निस्तारण करते हुए कार्रवाई रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद परिवार के लोग न्याय के लिए चक्कर काट रहे हैं। मनबढ़ों पर किसी अन्य मामले में गुंडा एक्ट और गैंगेस्टर की कार्रवाई भी किया जा चुका है। रंगनाथ पांडेय के शिकायत पर डीएम ने तहसील प्रशासन को पीड़ित परिवार को घर के अंदर जाने के लिए बंद रास्ते प्रकरण की जांच कर कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिया था, लेकिन करीब एक वर्ष बाद भी आदेश पर अमल नहीं किया जा सका। रंगनाथ पांडेय का गांव के मध्य में मकान है। उनके दरवाजे से होकर इंटरलाकिंग सड़क गांव में गई है। रंगनाथ का कहना है कि पड़ोसी और मनबढ़ ने लोहे की चादर से दरवाजे को ढंक दिया है, जिससे घर से निकलना मुश्किल हो गया था। शिकायत करने पर सभी बवाल करने पर आमादा हो जा रहे थे। मामले में तहसील और थाने के उच्चाधिकारियों से भी गुहार लगाया गया, लेकिन कोई पुरसाहाल नहीं निकल सका है। उनका यह भी कहना है कि मनबढ़ आपराधिक छवि के हैं। जिन पर पूर्व में भलुअनी थाने में गुंडा एक्ट और गैंगस्टर की कार्रवाई हुई है। गांव के लोग भी दबंगों के खिलाफ मुंह खोलने से गुरेज करते हैं। उनके भय से पूरा परिवार सहमा हुआ है। इस मामले में एसडीएम रूद्रपुर ध्रुव शुक्ल ने बताया कि मामला सिविल कोर्ट में है। आदेश आने के बाद ही पीड़ित परिवार अपने घर के अंदर आ–जा सकता है।

## आग लगने से नौ झोपड़ियां राख

महाराजगंज। सदर क्षेत्र के केवलापुर खुर्द में दोपहर चूल्हे से निकली चिंगारी से जितेंद्र के झोपड़ी में अचानक आग लग गई। आग की लपट को देखकर परिजनों ने शोर मचाया तो मौके पर जुटे ग्रामीण आग बुझाने में जुट गए और सूचना फायर ब्रिगेड को दी। जब तक फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, तब तक आसपास की नौ झोपड़ियां राख हो गईं। जानकारी के अनुसार, केवलापुर खुर्द में जितेंद्र के घर झोपड़ी में चिंगारी से आग लग गई। घर में रखा गेहूं, चावल, बेड, दुकान में रखा सामान जल गए। आग की लपट ने बगल के चेयरमैन, अक्षय, कतवारू, रामचंद्र, सीरी, अखिलेश, योगेंद्र, सर्वजीत व विनोद की झोपड़ी भी चपेट में आ गई। घर में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि लोग घर के सामानों को गांव से बाहर रखने लगे। लेखपाल अनुप्रिया पटेल ने मौके पर पहुंचकर आग से हुई क्षति का आकलन किया।

## कार की चपेट में आने से बाइक सवार दो भाई घायल

महाराजगंज । टिकुलहिया गांव के पास अनियंत्रित कार की चपेट में आने से बाइक सवार दो भाई घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को सीएचसी निचलौल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार को मौके पर छोड़ उसमें सवार लोग भाग गए। जानकारी के मुताबिक, कुंवारी सती गांव निवासी रूदल (22) छोटे भाई बिट्टू (18) के साथ बाइक से निचलौल बाजार जा रहे थे। टिकुलहिया गांव के पास तेज रफ्तार कार ने उन्हें चपेट में ले लिया। उसके बाद कार सड़क के किनारे बिजली के खंभे से टकरा गई। बाइक सवार रूदल और बिट्टू घायल हो गए। निचलौल थाना प्रभारी आनंद कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। घायलों का इलाज चल रहा है। तहरीर मिलने के बाद जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

## मिश्रौलिया गांव से लापता बालक देवरिया रेलवे स्टेशन पर मिला

महाराजगंज । मिश्रवलिया गांव में छह मई को घर से खेलने के लिए निकला दस वर्षीय बालक लापता हो गया था। पुलिस ने उसे देवरिया रेलवे स्टेशन पर खोज लिया। पुलिस ने बालक को उसके परिजनों को सौंप दिया है। बहुआर चौकी इंचार्ज विवेक कुमार सिंह ने बताया कि मिश्रौलिया निवासी फिरोज का बेटा नौशाद छह मई को घर पर खेलने की बात कहकर निकला था, लेकिन वह कमाने के लिए गांव के ही एक लड़के के साथ बड़े शहर की ओर निकल पड़ा। परिजनों ने उसकी गांव और आसपास के जगहों पर काफी तलाश की की। परिजनों की शिकायत पर केस दर्ज कर बालक की तलाश की गई। पता चला कि वह गांव के ही एक लड़के के साथ परदेश जाने के लिए देवरिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहा है। सूचना के बाद परिजनों के साथ मौके पर पहुंच नौशाद को खोज लिया गया।

# लापरवाही पर नपे एक्सईएन, औरों पर भी गिर सकती है गाज

देवरिया। चेतावनी के बावजूद बंजरिया में निर्माणाधीन राजकीय आईटीआई के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले वक्फ विकास निगम लिमिटेड के अधिशासी अभियंता गलनवाज अंसारी को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई डीएम की संस्तुति पर शासन ने की है। अन्य विभागों के कुछ अधिकारी हैं जिन पर अभी कार्रवाई की गाज गिर सकती है। कारण यह है कि समय पर धन आवंटन होने के बाद भी इन्होंने निध ारित अवधि में काम पूरा नहीं कराया है। इसकी झलक जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन के गांधी सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में देखने को मिली। 50 लाख रुपये से अधिक के निर्माण परियोजनाओं (सड़कों को छोड़कर) की समीक्षा में डीएम ने विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण में विलंब होने पर गहरी नाराजगी जताई और अधिकारियों को कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

डीएम ने लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस परिसर में निर्माणाधीन चार अति विशिष्ट कक्षों के नवीन ब्लॉक के प्रगति की समीक्षा की। कहा कि परियोजना का कार्य 17 नवंबर 2020 से प्रारंभ हुआ था। इसे 16 अगस्त 2021 तक पूर्ण करना था मगर, अभी तक अधूरा है। परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 2.68 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि यदि 25 मई तक निर्माण कार्य पूर्ण नहीं होता है तो जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखा जाएगा। इसी प्रकार आईटीआई रुद्रपुर के निर्माण में एक साल से अधिक विलंब हुआ है। इस परियोजना को 18 अप्रैल 2022 में पूरा होना था। परियोजना के पूर्ण नहीं होने की वजह से शैक्षणिक सत्र 2022–23 शून्य गया है। डीएम ने कहा कि इस वर्ष भी शैक्षणिक सत्र शून्य न हो यह सुनिश्चित किया जाए। सेतु निगम के डीपीएम के बैठक में नहीं आने व बिना अनुमति लखनऊ जाने पर डीएम ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखने का निर्देश दिया। डीएम ने खरवनिया में छोटी गंडक नदी पर बन रहे पुल के अभी तक पूर्ण न होने पर सहायक अभियंता सेतु निगम को कड़ी फटकार लगाई। कार्यदायी संस्था यूपीसीएलडीएफ के सहायक अभियंता बहोरवा एवं बरारी में स्वास्थ्य विभाग की परियोजनाओं के संबंध में जानकारी नहीं दे सके। जिलाधिकारी ने बरियारपुर में कान्हा गौशाला, राजकीय पॉलिटेक्निक में प्रस्तावित मल्टीपरपज हॉल, छह कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा 15 आयुर्वेदिक अस्पतालों के प्रगति की भी समीक्षा की।

# प्रशिक्षक का पता नहीं, जिम्मेदारों की लापरवाही क्रिकेट छात्रावास के खिलाड़ियों पर पड़ रही भारी

देवरिया। रवींद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में स्थित क्रिकेट छात्रावास में तीन माह बाद भी जिम्मेदार एक प्रशिक्षक की तैनाती तक नहीं करा पाए हैं। इससे यहां प्रदेश के विभिन्न जगहों से चुनकर आए खिलाड़ियों का नियमित अभ्यास प्रभावित हो रहा है। वह वालीबाल या अन्य खेल के प्रशिक्षकों के सहारे केवल फिटनेस पर भी काम कर रहे हैं। ऐसे में इनसे स्टेट व नेशनल स्तर की प्रतियोगिताओं में जाने या बेहतर प्रदर्शन करने की बात ही बेमानी सी लगने लगी है।

प्रदेश में खेल व खिलाड़ियों को आग बढ़ाने का दावा करने वाले खेल निदेशालय के अधिकारी इस छात्रावास के लिए एक प्रशिक्षक तक नहीं ढूंढ पा रहे हैं। देवरिया स्थित क्रिकेट छात्रावास में कुल 25 सीटें हैं। यहां जिला, मंडल, स्टेट व केंद्रीय प्रशिक्षण शिविर के बाद प्रदेश के विभिन्न जगहों से खिलाड़ियों का चयन किया जाता है। इधर फरवरी माह से ही प्रशिक्षक नहीं होने का दंश खिलाड़ी झेल रहे हैं। स्टेडियम में संचालित क्रिकेट शिविर के प्रशिक्षक का एक प्रशिक्षु से मालिश कराने का वीडियो वायरल होने के बाद मामले ने जब तूल पकड़ा तो उच्चाधिकारियों ने उन्हें निलंबित कर दिया। इधर नियमित प्रशिक्षक के अभाव में क्रिकेट छात्रावास के खिलाड़ियों की फिटनेस व गेम स्किल दोनो प्रभावित हो रही है।

तीन साल में नहीं कर पाए बेहतर प्रदर्शन तो 14 खिलाड़ी निष्कासित

स्पोर्ट्स स्टेडियम के क्रिकेट छात्रावास में 25 सीटें क्रिकेट व 15 वालीबाल की हैं। बीते सत्र में नौ क्रिकेट में एवं पांच वालीबाल के खिलाड़ियों को छात्रावास से बाहर कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि बीते तीन साल में यह खिलाड़ी कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाए। ऐसे में विभागीय नियमों के अनुसार इन्हें निष्कासित कर दिया गया।

# रुद्रपुर की माटी में दबा है छठी शताब्दी ईसा पूर्व का इतिहास

रुद्रपुर। पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व के रुद्रपुर क्षेत्र की माटी में छठी शताब्दी ईसा पूर्व का इतिहास दबा है। यहां के सहनकोट परिक्षेत्र से 2500 वर्ष पुरानी मुद्रा मिलने के बाद प्राचीन इतिहास में शोध कर रहे छात्रों की दिलचस्पी बढ़ गई है। इनमें से तमाम अनुसंधानकर्ता ने अमर उजाला से संपर्क कर पंचमार्क सिक्का प्राप्त होने के स्थान की जानकारी ली।

उन्होंने भारत सरकार के पुरातत्व विभाग की ओर से संरक्षित क्षेत्र की सुरक्षा बढ़घने और इस क्षेत्र में अनुसंध ान तेज कराने की मांग की। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्राचीन इतिहास विभाग के शोध छात्र रतन पाठन ने कहा कि रुद्रपुर अब तक के उत्खनन और सर्वेक्षण से कुषाण काल तक का सफर तय कर पाया है। यदि इस क्षेत्र में पंचमार्क सिक्के मिल रहे हैं, तो इसका इतिहास मौर्य काल से भी प्राचीन प्रतीत हो रहा है। जिस क्षेत्र में सिक्के मिले हैं, उसके विस्तृत उत्खनन से शोधार्थियों को दुर्लभ इतिहास की जानकारी मिलेगी।

समाजसेवी शिवहरि त्रिपाठी ने कहा कि सुरक्षा और संरक्षण के अभाव में प्राचीन धरोहरें नष्ट हो रही हैं। यहां पांच किलोमीटर में फैले सहनकोट परिक्षेत्र को भारत सरकार का पुरातत्व विभाग सिर्फ बोर्ड लगाकर संरक्षित किया है, जबकि इस क्षेत्र में नए निर्माण और अवैध खुदाई होने से इसकी प्राचीनता नष्ट हो रही है।

बाबा राघव दास भगवान दास पीजी कॉलेज बरहज के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रोफेसर डॉ. सज्जन कुमार गुप्त ने कहा कि रुद्रपुर में बेशकीमती धरोहरों को संरक्षित करने के लिए एक संग्रहालय बनना चाहिए। उन्होंने भारत सरकार से रुद्रपुर में पौराणिक महत्व के दुग्ध ेश्वरनाथ मंदिर और ऐतिहासिक सहनकोट में मिली प्राचीन वस्तुओं को संरक्षित करने के लिए संग्रहालय बनवाने की मांग की।

# शिक्षक संकुलों का पद से त्यागपत्र देने का सिलसिला जारी

महराजगंज। शिक्षक संकुल के पद पर तैनात शिक्षकों के पद से त्यागपत्र देने का सिलसिला भी जारी रहा। घुघली व मिठौरा ब्लॉक के शिक्षक संकुलों ने अपने–अपने खंड शिक्षा अधिकारी को स्कूली शिक्षा महानिदेशक को संबोधित त्यागपत्र सौंपा। घुघली ब्लॉक में तैनात 40 से अधिक शिक्षक संकुलों ने ब्लॉक संसाध ान केंद्र पर एकत्र होकर गैर शैक्षणिक कार्यों से हो रही परेशानियों पर चर्चा की। इसके बाद सामूहिक रूप से पद से त्यागपत्र खंड शिक्षा अधिकारी विनयशील मिश्रा को सौंपा। त्यागपत्र देने वालों में मनोज वर्मा, रिजवान खां, राजकुमार, जागृति त्रिपाठी, विमलेश गुप्ता,शीतल मिश्र, प्रशांत पांडेय, दिनेश कुमार, उपेंद्र चौधरी समेत अन्य शिक्षक संकुल शामिल रहे। मिठौरा संवाद के मुताबिक, 50 शिक्षक संकुलों ने गैर शैक्षणिक कार्यों को कराने के विरोध में बीआरसी मिठौरा में स्कूली शिक्षा महानिदेशक को संबोधित पद से सामूहिक इस्तीफा खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा। इस दौरान दिलीप विश्वकर्मा, संतोष मिश्रा, सुभाष यादव, राघवेंद्र पटेल, विजय यादव, चंद्रभूषण पटेल, सर्वेश शर्मा, सुनीता खरवार, गीता विश्वकर्मा आदि शिक्षक संकुल मौजूद रहे।

समस्याओं को गंभीरता से सुनें बीईओ : बीएसए

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने कहा कि जिले के अधिकतर ब्लॉकों में शिक्षक संकुल के पद से शिक्षकों की ओर से सामूहिक रूप से त्यागपत्र देने की बात सामने आ रही है। ऐसे में सभी खंड शिक्षा अधिकारी शिक्षक संकुल के साथ बैठक करते हुए उनकी समस्याओं गंभीरता से सुनें। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

# बच्चे का अपहरण कर बेरहमी से हत्या, हाथ–पैर बांधने के बाद मुंह में कपड़ा ठूंसकर दबाया गला

### घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अरुण कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी पहुंच मौके मुवाइना किया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। पड़ोसी ने छात्र का अपहरण करने के बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हाथ, पैर बांधने के बाद मुंह में कपड़ा ठूंसकर गला दबाया गया था। देर रात पुलिया के नीचे अचेतावस्था में मिले छात्र को हरपुर–बुदहट थाना पुलिस ने बीआरडी में भर्ती कराया था। अपहरण के आरोपित पड़ोसी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हरपुर–बुदहट क्षेत्र के गोरेडीह निवासी सत्यनारायण सिंह गीडा की फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं। पांच भाई बहनों में चौथे नंबर का उनका 11 वर्षीय पुत्र आयुष सिंह गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन का छात्र था। बुधवार की सुबह 11.30 बजे स्कूल से लौटते समय पड़ोसी रामसिंह अपनी बाइक से लेकर चला गया। देर शाम तक आयुष के घर न पहुंचने पर बहनों ने खोजबीन शुरू की। पता न चलने पर सत्यनारायण को बताया। साथ में पढ़ने वाले गांव के बच्चों से पूछने पर पता चला कि आयुष को रामसिंह अपनी बाइक से ले गया था।सत्यनारायण के पूछने पर उसने जानकारी होने से इंकार कर दिया

जिसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी हरपुर–बुदहट थाना पुलिस को देने के साथ ही अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। आरोपित को हिरासत में लेकर पुलिस ने छानबीन शुरू की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। रामसिंह की निशानदेही पर रात एक बजे कटाई टीकर के पास पुलिया के नीचे आयुष को बरामद किया। उसके दोनों हाथ–पैर बंधे होने के साथ ही मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। अचेतावस्था में पुलिस बीआरडी मेडिकल कालेज ले गई जहां गुरुवार की सुबह आयुष की मृत्यु हो गई। रामसिंह ने आयुष की हत्या क्यों की पुलिस इसकी जांच कर रही है। आयुष के मां की मृत्यु पांच वर्ष पहले हो गई थी। उसकी देखभाल बड़ी बहन अंबिका, अंकिता, अनामिका करती थीं।

सात वर्ष की राखी सबसे छोटी है। एकलौते भाई की हत्या के बाद बहनों का रो–रोकर बुरा हाल है।रामसिंह ने सात वर्ष पहले खोराबार क्षेत्र में ट्रक लूटने के लिए मालिक की हत्या कर दी थी। ट्रक सिखाने के बहाने उन्हें अपने साथ ले गया था। खोराबार थाना पुलिस ने आरोपित को जेल भेजा था, इस मामले में वह चार वर्ष बाद जेल से छूटा था।

# ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध महिला की मौत

फरेंदा/बृजमनगंज। लेहड़ा स्टेशन पर ट्रेन पर चढ़ते वक्त पैर फिसलने से वृद्ध महिला की मौत हो गई पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। बृजमनगंज थानाक्षेत्र के पचगंगपुर के बेलवाडाड़ी निवासी 80 वर्षीय जिलेबी देवी बीमार चल रही थी। वह शोहरतगढ़ जाने के लिए लेहड़ा स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने पहुंची थीं। .दोपहर करीब 12 बजे लेहड़ा स्टेशन पर डेमो ट्रेन पर चढ़ते समय उनका हाथ छूट गया और वह चलती ट्रेन के नीचे आ गईं। स्थानीय लोग इलाज के लिए जाने वाले थे कि उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र ने बताया कि शव की पहचान के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

# युवती की मौत की गुत्थी उलझी, बिसरा सुरक्षित

पनियरा। शुक्रवार रात में रोहिन नदी के भौराबारी पुल के नीचे मिले अज्ञात युवती के शव का पुलिस ने 72 घंटे के बाद शाम को पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने मौत की गुत्थी को और उलझा दिया है। क्योंकि रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। बिसरा को सुरक्षित किया गया है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह पता चला है कि युवती का शव करीब दो सप्ताह पुराना है। शरीर के ऊपर का हिस्सा पूरी तरह से सड़ चुका था। दाहिना हाथ शरीर से अलग था। दोनों हाथों में गोदना के निशान था। युवती के शव का पोस्टमार्टम करवाकर पुलिस कर्मियों ने रोहिन नदी के त्रिमुहानी घाट पर अंतिम संस्कार करवा दिया है। थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं हुआ है। बिसर सुरक्षित किया गया है। उसे जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाया गया है।

## लाठी–डंडे से हमला, चार लोग पर केस

निचलौल। थाना क्षेत्र के बैठवलिया बाजार में रात को मामूली बात पर दो पक्षों में मारपीट हो गई। एक महिला घायल हो गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिसचार लोगों पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया। बैठवलिया बाजार निवासी भिरगुन यादव ने पुलिस से बताया है कि रात को मामूली बात पर कुछ लोगों से कहासुनी हो रही थी। इसी बीच आक्रोशित लोगों ने लाठी–डंडों से हमला बोल दिया। पत्नी सुमित्रा गंभीर रूप से घायल हो गईं। थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार गुप्ता ने बताया कि आरोपी जोगिंदर यादव, सुभावती, प्रदीप और राकेश पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

# नेपाली मुद्रा के साथ युवक पकड़ा गया

खनुआ। सशस्त्र सीमा बल 66वीं वाहनी के बीओपी सुंडी के जवानों ने गश्त के दौरान भारत से नेपाल जाते वक्त एक युवक को नेपाली मुद्रा के साथ पकड़कर नौतनवां कस्टम को सौंप दिया। असिस्टेंट कमांडेंट परमात्मा सिंह ने बताया कि सुंडी गांव के पास युवक बाइक से भारतीय सीमा की तरफ से नेपाल सीमा में प्रवेश करने की फिराक में दिखा। संदेह होने पर जवानों ने रोककर तलाशी ली। बैग से 76300 नेपाली मुद्रा बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम संदीप कांदू निवासी बरहदवा थाना मझगांवा जिला रूपनदेही नेपाल बताया।

## करंट की चपेट संविदा स्वास्थ्य कर्मी की मौत

भिटौली। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोहरौना तिवारी निवासी 35 वर्षीय संविदा स्वास्थ्य कर्मी सत्येंद्र मणि त्रिपाठी की . सुबह करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, सत्येंद्र सुबह नहाने के लिए पानी का मोटर चालू करने गए थे। उसमें उतर रहे करंट की चपेट आ गए। आननफानन परिजन जिला अस्पताल ले गए, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सत्येंद्र सीएचसी महराजगंज में काम करते थे। अतिरिक्त थाना प्रभारी भिटौली सजनू यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

# जिले में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन का मतदान सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 का मतदान शांतिपूर्ण, सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी ढंग से जनपद के 307 बूथों में सम्पन्न हुआ, मतदान को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार ने लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था, मतदान प्रक्रिया का जायजा लेते रहें। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने गुरूद्वारा इण्टर मीडिएट कालेज चोपन, केन्द्रीय विद्यालय चोपन, राजा शारदा महेश इण्टर मीडिएट कालेज राबर्ट्सगंज, आदर्श इण्टर मीडिएट कालेज राबर्ट्सगंज, शिक्षा निकेतन इण्टर कालेज ओबरा व इंग्लिश मीडियम प्राइमरी विद्यालय बिल्ली–मारकुण्डी पर पहुॅचकर मतदान प्रक्रिया एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने मतदेय स्थलों पर मतदाताओं के पहचान पत्र का अवलोकन भी किया तथा उन्होने मतदाताओं से कहा कि जो भी मतदाता अपना मतदान कर चुकें है वह मतदेय स्थल से बाहर चले जाये। मतदेय स्थलों के निरीक्षण के दौरान मतदान अभिकर्ता की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी भी करायी गयी, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने मतदान प्रक्रिया एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। इसके अतिरिक्त नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन के मतदान प्रक्रिया का प्रेक्षक डॉ0 सुनील कुमार वर्मा (सचिव वाराणसी विकास प्राधिकरण), सहदेव कुमार मिश्र अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0), भानू प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), रमेश कुमार उप जिलाधिकारी घोरावल, शैलेन्द्र मिश्रा उप जिलाधिकारी सदर, प्रभाकर सिंह उप जिलाधिकारी ओबरा, श्याम प्रताप सिंह उप जिलाधिकारी दुद्धी, सम्बन्धित तहसील के क्षेत्राधिकारीगण सहित सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेट ने भी मतदेय स्थलों पर मतदान प्रक्रिया का लगातार भ्रमणशील रहकर जायजा लिया। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन में जनपद में कुल 51.38 मतदान प्रतिशत हुआ।

- **नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन के मतदान का डीएम, एसपी, सीडीओ ने लगातार मतदेय स्थलों पर भ्रमणशील रहकर मतदान प्रक्रिया एवं सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा**
- **नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन के तहत जनपद में कुल 51.38 प्रतिशत हुआ मतदान**

# नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में मुकाबला बना त्रिकोणीय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में हुए मतदान में आज काफी जोश दिखायी दिया खासतौर से युवा मतदाताओं व महिलाओं में काफी उत्साह नजर आया सुबह से ही मतदाताओं की लम्बी लम्बी कतारें नजर आ रही थी। नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में करीब 64000 हजार मतदाताओं में से करीब 50 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया करीब 50 फीसदी मतदान हुआ कुछ बूथों पर तो 6.30 बजे तक मतदान चलता रहा। पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। 25 वार्डों बाली नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर द में आज मतदान पूरी तरह शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। इसके लिये पुलिस प्रशासन भी बधाई का पात्र है पुलिस प्रशासन ने पूरी तरह से नियंत्रण बनाये रखा। हालांकि अभी तक सभी प्रत्याशी व उनके समर्थक अपनी अपनी जीत का दावा कर रहे है लेकिन कई प्रत्याशी के समर्थकों ने अपनी जीत निश्चित मानते हुए एक दूसरे को बधाई भी दी हालांकि 13 मई को मतगणना के बाद ही जीत हार का पता चलेगा।

### बुजुर्गों ने भी खूब किया मतदान

80 साल से 90 साल के बुजुर्गों ने भी मतदान में हिस्सा लिया कोई पीठ पर बैठकर आया तो कोई गाड़ी में बैठकर आया।

# कमर्शियल हाउस टैक्स के बिल की शिकायत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

लखनऊ। गलत गृह कर मूल्यांकन के भेजे जा रहे कमर्शियल हाउस टैक्स के बिल की शिकायत को लेकर अमीनाबाद जूते वाली गली के व्यापारी ष्उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडलष् के बैनर तले मुख्य कर निर्धारण अधिकारी से मिले व्यापारियों ने मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को जूते वाली गली, अमीनाबाद के व्यापारियों को गलत मूल्यांकन के भेजे जा रहे बिल की शिकायत की मुख्य कर निर्धारण अधिकारी ने व्यापारियों की समस्याओं का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समाधान हेतु निर्देशित किया। 11 मई, गुरुवार ष्उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, जूते वाली गलीष् का प्रतिनिधिमंडल प्रांतीय अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में गुरुवार को लालबाग नगर निगम कार्यालय में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह से मिला तथा उनसे जूते वाली गली अमीनाबाद के व्यापारियों को गलत मूल्यांकन के गृह कर बिल भेजें जाने की शिकायत की जूते वाली गली के कोषाध्यक्ष मयंक टंडन, उपाध्यक्ष मोहम्मद गयास, सदस्य सौरभ टंडन ने मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह को बताया जूते वाली गली, अमीनाबाद मात्र 4 मीटर चौड़ी है लेकिन इसका मूल्यांकन 12 मीटर वाली सड़क के रेट से कर के बिल भेजा जा रहा है जो कि अनुचित है व्यापारियों ने लिखित रूप से ज्ञापन देते हुए मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को बताया जूते वाली गली का गृह कर का मूल्यांकन 1.75 पैसे से किया जा रहा है जबकि 12मीटर से कम चौड़ी सड़क के अंतर्गत आने के कारण इसका मूल्यांकन 1ध रुपए से होना चाहिए जो कि नगर निगम की नियमावली में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है आसपास की अन्य गलियों का मूल्यांकन एक रुपए से ही हो रहा है व्यापारियों ने कहा गलत मूल्यांकन के बिल के कारण पिछले लंबे समय से व्यापारियों एवं नागरिकों को 75 पैसे की चपत लग रही है तथा क्षेत्रफल के हिसाब से सभी का नुकसान हो रहा है व्यापारियों ने मुख्य कर निर्धारण अधिकारी से समस्या का समाधान किए जाने तथा सिस्टम में सही रेट की फीडिंग किए जाने की मांग करते हुए उन्हें ज्ञापन सौंपा मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने व्यापारियों की समस्या का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी को समाधान करने के निर्देश दिए ।

# भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रतिष्ठान का किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

लखनऊ। राजधानी में इंटरप्राइजेज का पत्रकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह के द्वारा फीता काट कर शुभारंभ किया गया।व्यवसायी संतोष सिंह ने अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह को माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत किया। उद्घाटन के लिये मौके पर पहुंचे जितेन्द्र बहादुर सिंह के साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर लखनऊ के जाने माने कृष्णा पब्लिक स्कूल के प्रबंधक लाल मणि यादव ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।व्यसायी संतोष सिंह के मुताबिक इस नये प्रतिष्ठान में औरों से कम कीमत में थोक एवं खुदरा भवन निर्माण संबंधित सामग्री बिक्री की जाएगी।पत्रकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ श्री धनवंतरी सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल,समाजसेवी विपिन यादव उर्फ बीनू के अलावा दर्जनों पत्रकारों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया जिसमें यूनाइटेड समाचार के संपादक संदीप सिंह, डीन्यूज के चीफ आडीटर शिव सिंह, दैनिक भाष्कर के संतोष राय,पत्रकार मनेन्द्र सिंह,पुनीत,रिजवान राहुल सैनी,शरद गुप्ता आदि सम्मानित लोग मौजूद रहे।

व्यवसायी के नये प्रतिष्ठान का उद्घाटन पूरे हर्शोल्लास के साथ किया गया।भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस नये व्यवसायिक प्रतिष्ठान का उद्घाटन करने के लिये हाजिरी लगाई। बुद्धवार की दोपहर बिजनौर रोड के पुराना गड़ौरा मोड़ पर व्यवसायी संतोष सिंह के नये प्रतिष्ठान श्री कृष्णा

# मतगणना को लेकर प्रशासन ने की पूरी तैयारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। नौतनवा तहसील परिसर में मतगणना को लेकर

प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। नौतनवा नगर पालिका परिषद से अध्यक्ष पद के मतगणना के लिए 8 टेबल बनाए गए हैं। इस आठ टेबल की निगरानी के लिए एक प्रत्याशी के आठ एजेंट, एक अभिकर्ता, और स्वयं प्रत्याशी रहेंगे।इसी तरह सोनौली नगर पंचायत के 5 टेबल के लिए पांच एजेंट एक अभिकर्ता और स्वयं प्रत्याशी गणना की निगरानी के लिए मौजूद रहेंगे। मतगणना स्थल का पूरी तरह से बैरिकेटिंगग किया गया है। जाली लगाया गया है। एजेंट बैरिकेटिंग के बाहर से ही मतगणना पर पूरी तरह से नजर रखेंगे। इसके लिए गुरुवार को एजेंट और प्रत्याशियों को पास निर्गत कर दिया गया है। पास के आधार पर ही एर्जेंट और प्रत्याशी मतगणना केंद्र तक पहुंच सकेंगे।उप जिलाधिकारी नौतनवा दिनेश मिश्र ने बताया कि कोई भी प्रत्याशी मोबाइल लेकर मतदान केंद्र पर नहीं आएगा। मतदान केंद्र पर मोबाइल प्रवेश पर पूरी तरह से वर्जित रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मतदान केंद्र के बाहर और मतदान केंद्र के अंदर सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहेंगे।

## जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

| | |
|---|---|
| जिलाधिकारी | मो0:– 9454417530 |
| मुख्य विकास अधिकारी | मो0:– 9454464749 |
| एस डीएम नौगढ़ | मो0:– 9454415936 |
| एस डीएम बांसी | मो0:– 9454415937 |
| एस डीएम डुमरियागंज | मो0:– 9454415939 |
| एस डीएम इटवा | मो0:– 9454415939 |
| एस डीएम शोहरतगढ़ | मो0:– 9454415940 |
| पुलिस अधीक्षक | मो0:– 9454400305 |
| थाना मोहाना | मो0:– 9454404239 |
| थाना जोगिया उदयपुर | मो0:– 9454404235 |
| थाना गोलौरा | मो0:– 9454404233 |
| थाना पथरा बाजार | मो0:– 9454404240 |
| थाना त्रिलोकपुर | मो0:– 9454404243 |
| थाना उसका बाजार | मो0:– 9454404244 |
| थाना शोहरतगढ़ | मो0:– 9454404241 |
| थाना खेसरहा | मो0:– 9454404236 |
| थाना इटवा | मो0:– 9454404234 |
| थाना चिल्हिया | मो0:– 9454404229 |
| थाना ढेबरूआ | मो0:– 9454404230 |
| थाना भवानीगंज | मो0:– 9454404228 |
| थाना मिश्रौलिया | मो0:– 9454404238 |
| थाना सि0नगर | मो0:– 9454404242 |
| थाना डुमरियागंज | मो0:– 9454404232 |
| थाना लोटन | मो0:– 9454404237 |
| महिला थाना | मो0:– 9454404891 |

# प्रत्याशियों का भाग्य मत पेटिकाओ में बंद,बडी बेचौनी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। प्रदेश में नगरीय निकाय के

दूसरे चरण के मतदान में गुरुवार को नगर पंचायत उसका बाजार में विभिन्न वार्डो के 25 बूथों पर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग शांति पूर्वक किया। मतदान शुरू होने के पूर्व ही बूथों पर मतदाताओं की लाइन लग गई थी। जैसे जैसे समय आगे बढ़ता गया वैसे वैसे मत प्रतिशत में इजाफा होता गया। बूथों पर अधिकारियों का दौरा मतदान अवधि तक जारी रहा। प्राथमिक विद्यालय तेतरी खुर्द पर बने बूथ पर अयोध्या गोरखपुर के शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने अपना वोट डाला और लोगो से लोकतंत्र के इस महापर्व में वोट देने की अपील किया। खबर भेजे जाने तक इस बूथ पर 887 मतदाताओं में से 716 लोगो ने मतदान किया। नगर में बने 9 बूथ का निरीक्षण एसडीएम ललित कुमार मिश्रा और सीओ अखिलेश वर्मा ने किया। लोगो की समस्या का समाधान किया। प्राथमिक विद्यालय उसका राजा में निरीक्षण के दौरान लोगो की समस्या को सुनकर उसका निराकरण किया। वार्ड सदस्य पद के प्रत्याशी अपने बूथ पर समर्थको के साथ पूरे दिन डटे रहे। नगर अध्यक्ष पद के प्रत्याशी बूथों का चक्कर पूरे दिन लगाते रहे। प्राथमिक विद्यालय सरदार पटेल नगर में बने बूथ पर शाम तक मतदान का क्रम चलता रहा।

# मतदान सकुशल सम्पन्न कराने पर जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने आभार व्यक्त किया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन, 2023 के तहत बृहस्पतिवार को स्वतंत्र, निष्पक्ष व सकुशल मतदान सम्पन्न होने पर जिले के नगर क्षेत्रों के मतदाताओं, राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों, स्वयंसेवी संगठनों, प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक्स मीडिया के पदाधिकारियों व निर्वाचन ड्यूटी में लगे सभी अधिकारीगण और कर्मचारीगण व पुलिस विभाग के कार्मिकगण के साथ ही आम नागरिकों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया है।

# खेलने गया लेखपाल का 13 वर्षीय पुत्र गायब, पिता ने दी तहरीर

भाटपाररानी। तहसील के एक चकबंदी लेखपाल का 13 वर्षीय पुत्र राजवीर उर्फ रोहित एक दिन पूर्व घर से उस समय गायब है जब वह खेलने के लिए कह कर गया था। पिता राकेश गौतम ने थाने में गायब होने की तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। आजमगढ़ जनपद के सिधारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जयरामपुर निवासी राकेश गौतम भाटपाररानी तहसील में चकबंदी लेखपाल पद पर तैनात हैं। वह नगर में एक किराए की मकान लेकर रहते हैं। को उनका पुत्र राजवीर उर्फ रोहित अपराह्न यह कहकर घर से निकला कि वह खेलने जा रहा है। देर सायं जब वह घर नहीं आया तो उन्होंने उसकी इधर–उधर खोजबीन की। अंत में पुत्र के नहीं मिलने पर उन्होंने किसी तरह की अनहोनी घटना की आशंका जताते हुए तत्काल थाने जाकर अपने पुत्र के गायब होने की लिखित सूचना दिया। एसओ प्रभु दयाल सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। घटना की जांच की जा रही है।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

# घी में भूनकर नहीं... इस तरह खाने चाहिए मखाने! वरना हो सकती है पेट की यह गंभीर बीमारी

मखाना शरीर के लिए जितना फायदेमंद होता है उतना ही ज्यादा नुकसानदायक भी है. अगर आप हद से ज्यादा मखाना खाते हैं तो आज से ही छोड़ दीजिए क्योंकि यह मुफ्त में आपको पेट की कई सारी बीमारी दे सकता है. हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अक्सर लोग व्रत, शाम के स्नैक्स में मखाना खाते हैं. जिन लोगों को पता है कितनी मात्रा में खाना है उनके लिए कोई बात नहीं लेकिन जिन्हें मखाना बहुत पसंद है और वह खाते वक्त मात्रा नहीं देखते उन लोगों के लिए यह आर्टिकल खास है.

आइए जानते हैं क्यों कहा जाता है ज्यादा मात्रा में मखाना क्यों नहीं खाना चाहिए?

मखाने में फाइबर की मात्रा अधिक होती है. साथ ही इसमें सोडियम कम होता है.लेकिन इसमें मैंगनीज, पोटेशियम, मैग्नीशियम, थियामिन, प्रोटीन और फास्फोरस जैसे तमाम गुण भरपूर होते हैं. इसलिए कहा जाता है मखाना खाने के जितने फायदे हैं उतना ही नुकसान भी है. खासकर जिन लोगों को पेट की दिक्कत अक्सर रहती है. पेट साफ नहीं रहता है उन लोगों को फाइबर युक्त मखाना पचाने में कई तरह की दिक्कत हो सकती है.

अगर आपका पेट है कमजोर

आपको किसी भी चीज को पचाने में खासा दिक्कत होती है. तो आपको मखाना खाने से बचना चाहिए. ये मखाना पेट के लिए काफी भारी होता है. क्योंकि मखाने में जो फाइबर होता है उसे पचाने के लिए पेट को ज्यादा से ज्यादा पानी की जरूरत पड़ती है. जब आप इसे खाते हैं तो यह पेट के पानी को धीरे–धीरे सोखने लगता है. ऐसे में ज्यादा मात्रा में इसे खाना पेट के लिए ठीक नहीं. इससे आपको परेशानी हो सकती है. साथ ही पेट दर्द और ब्लोटिंग की दिक्कत भी शुरू हो सकती है. इसलिए जिन्हें कोई भी चीज पचाने में दिक्कत होती है उन्हें मखाना एकदम कम या नहीं खाना चाहिए.

किडनी स्टोन की दिक्कत में

अगर आपको किडनी में स्टोन की शिकायत है तो आपको मखाना नहीं खाना चाहिए. दरअसल, किडनी में स्टोन शरीर में कैल्शियम बढने के कारण होती है. ऐसे में अगर आप कैल्शियम से भरपूर मखाने खाते हैं तो यह खतरनाक रूप से ट्रिगर कर सकता है. इसलिए किडनी में स्टोन की शिकायत है तो एकदम मखाना खाने से बचें.

डायरिया एकदम भूल से भी न खाएं

डायरिया में मखाना खाना एकदम खतरनाक साबित हो सकता है. मखाना फाइबर से भरपूर है. और फाइबर डायरिया को बढ़ावा दे सकता है.

घी में मखाना भूनकर न खाएं: घी में मखाना भूनकर खाने से डायबिटीज और जिन लोगों को पेट की बीमारी है उनके लिए काफी नुकसानदायक है. क्योंकि घी में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होता है और मखाना में फाइबर पाया जाता है. ऐसे में इसे साथ में पचाना नुकसानदायक हो सकता है.

## जाह्नवी कपूर ने किया अपनी नई फिल्म उलझ का ऐलान, जल्द शुरू होगी शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने कई हिंदी फिल्मों में काम किया है। अब उनकी एक और नई फिल्म का एलान हो चुका है। जल्द ही वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया द्वारा अभिनीत

उलझ में नजर आएंगी। फिल्म के मेकर्स ने आज बुधवार को यह घोषणा की है कि जान्हवी थ्रिलर फिल्म उलझ में अभिनय करेंगी। जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित फिल्म में जान्हवी के अलावा गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू भी हैं।

मेकर्स ने पोस्ट साझा करते हुए फिल्म और स्टार कास्ट की जानकारी दी है। फिल्म में राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी अहम रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म देशभक्ति पर आधारित होगी और इसकी शूटिंग इस महीने के आखिर में शुरू होगी। फिल्म में जान्हवी एक इंडियन फॉरेन सर्विस की ऑफिसर बनेंगी।

फिल्म के बारे में बात करते हुए जान्हवी कपूर ने कहा कि जब मुझे उलझ की स्क्रिप्ट के साथ अप्रोच किया गया तो इसने मुझे तुरंत आकर्षित कर लिया। एक एक्ट्रेस के रूप में मैं लगातार ऐसी स्क्रिप्ट्स की तलाश में रहती हूं, जो मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर करे और कुछ अलग करने का मौका मिले।

फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए जान्हवी ने कहा कि जैसा कि फिल्म के नाम से पता चलता है कि मेरे किरदार और कहानी में बहुत सारी परतें, भावनाएं और पैरामीटर हैं, जो चुनौतीपूर्ण और रोमांचक है। सुधांशु द्वारा परिकल्पित इस नई भूमिका में दर्शक मुझे देखकर रोमांचित हैं, जिनके पास इस शैली को समझने के लिए एक नया दृष्टिकोण है। मैं इस तरह के प्रतिभाशाली सह–अभिनेताओं और जंगली पिक्चर्स जैसे डेवलपमेंट स्टूडियो के साथ पहली बार काम करने के लिए उत्सुक हूं।

## गोल्डन गर्ल बनी नजर आईं आमना शरीफ, तस्वीरें देखकर फैंस हुए बेताब

छोटे पर्दे से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस आमना शरीफ आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्टिंग के साथ साथ एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आमना शरीफ इन लेटेस्ट फोटोज में बेहद ही स्टाइलिश और कातिलाना नजर आ रही हैं। गोल्डन शिमरी ड्रेस में एक्ट्रेस आमना शरीफ बेहद ही ग्लैमरस और बोल्ड नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस इस वन पीस में बेहद ही हॉट लग रही हैं। साथ ही उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस बेकाबू हो रहे हैं। एक्ट्रेस आमना शरीफ के इस लुक को देखकर फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। साथ ही फैंस उनकी तस्वीरों को लाइक्स कर रहे हैं। एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी तस्वीरों के चलते सुर्खियों में हैं और सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाने में हैं। फैंस उनकी तस्वीरों के लिए बेताब रहते हैं। आमना शरीफ अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। आमना शरीफ एक भारतीय अभिनेत्री है, जो टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री में काम करती है। वह टीवी सीरियल कहीं तो होगा में कशिश गरेवाल और कसौटी जिंदगी की 2 में कोमोलिका की भूमिका निभाने के लिए जानी जाती हैं। इसके अलावा वह कई हिंदी फिल्मो में भी दिखाई दी है।

## स्प्लिट्सविला 14 की विजेता साउंडस ने खतरों के खिलाड़ी 13 के लिए सीखी हिंदी

स्प्लिट्सविला 14 की विनर रही साउंडस मौफकीर आए दिन लाइमलाइट में बनी रहती हैं. इसी के साथ इन दिनों साउंडस मौफकीर अपने हिन्दी सीखने को लेकर चर्चा में आ गई हैं. वो अपने नए शो के लिए हिन्दी को में ट्रेन्ड हो रही हैं. स्प्लिट्सविला 14 की विनर बहुत जल्द खतरों के खिलाड़ी 13 में अपना जलवा दिखाती हुई नजर आने वाली हैं. स्प्लिट्सविला 14 की विनर साउंडस मौफकीर ने नए शो की तैयारियों के बारे में बात करते हुए कहा, मैं शो के को कंटेस्टेंट और होस्ट रोहित शेट्टी से सही तरीके से बातचीत करने के लिए हिन्दी में ट्रेन्ड हो रही हूं, और खतरों के खिलाड़ी 13 मेरे लिए कोई शो नहीं है. यह मेरी कैपेबिल्टीज को शो करने और उन्हें चेक करने का बेहतरीन स्टेज है. मेरा मानना है कि लैंगुएज कभी भी खुद को शो करने में कोई अड़चन नहीं बननी चाहिए. इसके साथ इस नए शो के जरिए व्यूअर्स के साथ सही से कनेक्ट होना चाहती हूं. अपनी बात को जारी रखते हुए साउंडस मौफकीर ने आगे कहा, हिन्दी को लर्न कर मैं हिन्दी व्यूअर्स के लिए खुद को और ज्यादा एक्सीबेल और रिलियाबेल बनाने की ओर अपने कदम बढ़ा रही हूं. इसके साथ मैं नई लैंगुएज सीखने को लेकर शो का शुक्रिया अदा करती हूं. मैं पूरी तरह से इसका फायदा उठाना चाहती हूं. इसके साथ मुझे इस बात की पूरी उम्मीद है मेरी हिन्दी को ठीक करने की कोशिशों की व्यूअर्स पसंद करेगें. इसके अलावा तमाम दर्शक मुझे डर का सामना करते हुए देखकर एंटरटेन होंगे. आपको बता दें कि यह शो कलर्स टीवी पर ब्राडकास्ट किया जाएगा.

# तरबूज खाएं ही नहीं, चेहरे पर लगाएं भी... ऐसे करेंगे यूज तो कुछ ही दिन में स्किन करने लगेगी ग्लो



गर्मी के दिनों में त्वचा का ख्याल रखना काफी जरूरी हो जाता है क्यों कि जब आपका शरीर डिहाइड्रेट होता है तब इसका सीधा असर चेहरे पर नजर आता है. स्किन डल होने के साथ काली पड़ जाती है. तरबूज का इस्तेमाल करके गर्मियों में होने वाली त्वचा से जुड़ी परेशानियों को दूर कर सकते हैं. तरबूज में फाइबर, पोटेशियम, आयरन, विटामिन बी, विटामिन सी, विटामिन ए, जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. ये फल त्वचा के लिए एंटी ऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं. इन गुणों की वजह से स्किन इंफेक्शन ठीक हो जाता है. त्वचा हाइड्रेट होती है. जलन–सूजन की समस्या दूर होती है. त्वचा पर निखार आता है.आप तरबूज से बने फेस पैक को त्वचा पर अप्लाई करके सारी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं.

तरबूज और दूध का फेस पैक

'तरबूज के पल्प को निकाल लीजिए.

'अब इस पल्प में 2 चम्मच दूध मिलाएं.

'इसका एकअच्छा सा पेस्ट तैयार कर लीजिए.

'अब इसे पूरे चेहरे पर 20 मिनट तक लगाकर रखें, इसके बाद चेहरे को साफ कर ले.

'दूध त्वचा के लिए प्राकृतिक क्लींजर की तरह काम करेगा.

'तरबूज चिलचिलाती गर्मी में त्वचा को हाइड्रेट रखने और ठंडक पहुंचाने में मदद करेगा.

'ये फेस पैक त्वचा में कसाव लाएगा और आपको जवां बनाने में मदद करेगा.

तरबूज और नींबू का फेस पैक

'तरबूज का पल्प निकाल लीजिए.

'इसमें नींबू का रस मिलाकर इसका एक अच्छा सा मिश्रण बना लीजिए.

'अब इसे त्वचा पर 15 से 20 मिनट लगा रहने दीजिए.

'इसके बाद त्वचा को साफ पानी से धो लीजिए.

'इस फेस पैक से त्वचा की डेड सेल को एक्सफोलिएट करने में मदद मिलेगी.

तरबूज और दही का फेस पैक

'इस फेस पैक को बनाने के लिए दो चम्मच दही में एक चम्मच तरबूज का रस मिलाएं.

'इस पेस्ट को चेहरे पर15 से 20 तक लगाएं.

'अब त्वचा को सादे पानी से साफ कर ले.

'गर्मी में सन डैमेज के कारण त्वचा मुरझा जाती है, इस फेस पैक को लगाने से त्वचा पर निखार आएगा.

'ड्राई स्किन और रैशेज की समस्या दूर होगी